सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 181 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 15 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका; अग्रिम जमानत पर लगी रोक

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी है। यह मामला असम में दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ कई पासपोर्ट रखने के आरोप लगाए थे। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरीऔर अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने इस मामले में खेड़ा को नोटिस जारी करते हुए तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया, जिसमें तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

अवैध रेत कारोबार करने वालों से साल भर में 26 लाख से अधिक का जुर्माना

जगदलपुर। बस्तर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरूद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान की गई कार्यवाही के तहत कुल 32 प्रकरण दर्ज कर शासन के मद में 26,80,180 रुपये की भारी जुर्माना राशि जमा कराई गई है। सहायक खनिज अधिकारी ने शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल खनिज, राजस्व विभाग या नजदीकी पुलिस थाने को सूचित करें।

पंजाब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, सात की मौत

फतेहगढ़। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलट गई। हादसे में सात छह लोगों की मौत हो गई है। एसएचओ बलवीर सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि चुन्नी मरांडा रोड पर एक हादसा हो गया है। पुलिस मौके पर पहुंची, जहां बस पलटी हुई थी। घायलों को अस्पताल भेजा गया। 1-2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। उन्हें भी अस्पताल भेजा गया। कम से कम 7 लोगों की मौत हुई है। बस में लगभग 35 लोग सवार थे, जो मेन माजरी से गुरुद्वारा साहिब, फतेहगढ़ साहिब जा रहे थे।

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बनेः जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव बने डिप्टी सीएम

पटना। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

सम्राट चौधरी के सीएम बनने पर बधाई देते हुए जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि आज बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर सम्राट चौधरी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में बिहार और तेजी से विकसित होगा और देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

विष्णुदेव साय ने दी मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्रियों को बधाई

सम्राट चौधरी के सीएम बनने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं आपके कुशल नेतृत्व में बिहार सुशासन, विकास और जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। आपका समृद्ध राजनीतिक अनुभव और जनसेवा के प्रति आपका समर्पण प्रदेश के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेगा तथा 'विकसित भारत ञ्च 2047' के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी व बिजेन्द्र प्रसाद यादव को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनने पर भी बधाई दी।

लोकसभा में 543 की जगह होंगे 850 सांसद केन्द्र की मोदी सरकार ने तैयार किया मसौदा

राज्यों को 815 और केन्द्र शासित प्रदेशों को मिलेंगी 35 सीटें

नईदिल्ली। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। संसद में गुरुवार को एक ऐसा विधेयक पेश किया जाएगा, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस प्रस्ताव के अनुसार, लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने की योजना है। इसमें राज्यों के लिए 815 सीटें और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें निर्धारित करने का प्रावधान शामिल है।

यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन का प्रावधान करता है। इसके तहत लोकसभा का नया स्वरूप इस प्रकार होगा। राज्यों से अधिकतम 815 सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से चुने जाएंगे। केंद्र शासित प्रदेशों से अधिकतम 35 सदस्य संसद द्वारा तय प्रक्रिया के अनुसार चुने जाएंगे। सीटों के पुनर्निर्धारण के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। विधेयक में स्पष्ट किया गया है कि जनसंख्या का अर्थ उस जनगणना के आंकड़ों से होगा, जिनकी आधिकारिक रूप से घोषणा की जा चुकी है।

जानिए क्या है सरकार का तर्क

विधेयक के अनुसार अगली जनगणना और उसके बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया में समय लग सकता है, जिससे महिला प्रतिनिधित्व में देरी हो सकती है। इसलिए मौजूदा जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर इस प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिया गया है, ताकि महिलाओं की भागीदारी जल्द सुनिश्चित की जा सके। सरकार का मानना है कि यह कदम देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक समावेशी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएगा।

नए चुनावों पर असर

प्रस्ताव के मुताबिक परिसीमन आयोग की अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद होने वाले आम चुनाव और उपचुनावों में यह नई व्यवस्था लागू होगी। सूत्रों के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया देश की बढ़ती जनसंख्या और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इससे संसदीय लोकतंत्र को और अधिक समावेशी और संतुलित बनाने की कोशिश की जाएगी।

महिला आरक्षण को लागू करने की तैयारी

सरकार का उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को प्रभावी बनाना है। इसके लिए लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 239एए, 330ए, 332ए और 334ए के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई (1/3) सीटों का आरक्षण देने का भी प्रावधान किया गया है। इसमें SC और ST वर्ग की महिलाओं को भी शामिल किया गया है।

आंगनबाड़ी साड़ी गुणवत्ता विवाद : खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को पत्र जारी

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर जांच तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को वितरित साड़ियों की गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतों पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर मामले की जांच तेज कर दी गई है और दोष पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं।

विभाग के संचालक ने छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र जारी कर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में साड़ी वितरण के तहत कुछ जिलों से गुणवत्ता में कमी और तय मानकों से विचलन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

प्रारंभिक जांच में कुछ स्थानों पर साड़ियों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई है। इसके बाद विभाग ने खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को तकनीकी विशेषज्ञों की टीम गठित कर पुनः गुणवत्ता परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, यदि जांच में गड़बड़ी की पुष्टि होती है तो संबंधित एजेंसियों और आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि जहां-जहां निम्न गुणवत्ता की साड़ियां वितरित हुई हैं, वहां उन्हें वापस लेकर नई और गुणवत्तापूर्ण साड़ियां उपलब्ध कराई जाएं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मामले को पूरी पारदर्शिता के साथ संभाला जा रहा है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रायपुर में नशीली दवाइयों के खिलाफ एक्शन, फरार सप्लायर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में जनवरी में उजागर हुए बड़े नशा प्रकरण में पुलिस को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को छापेमार कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

यह मामला 28 जनवरी की उस कार्रवाई से जुड़ा है, जब पुलिस ने मधु मिश्रा नामक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में गांजा, प्रतिबंधित नाइट्रोसन टैबलेट, नगदी और अन्य सामग्री जब्त की थी। उस समय से ही इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी थी।

पुलिस को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर टीम ने ओडिशा के कालाहांडी निवासी प्रणब कुमार नाइक और नुवापाड़ा निवासी सफीकुल रहमान को पकड़ने में सफलता हासिल की। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि वे मधु मिश्रा को गांजा और प्रतिबंधित दवाइयों की सप्लाई करते थे, जिसे बाद में स्थानीय स्तर पर खपाया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क के तार अंतरराज्यीय स्तर पर जुड़े हुए हैं और इसमें कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। पुलिस अब इस पूरे गिरोह की विस्तृत पड़ताल कर रही है, ताकि सप्लाई चेन और जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान की जा सके।

छत्तीसगढ़ में कल से हीट वेव का अलर्ट, 4 डिग्री बढ़ेगा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

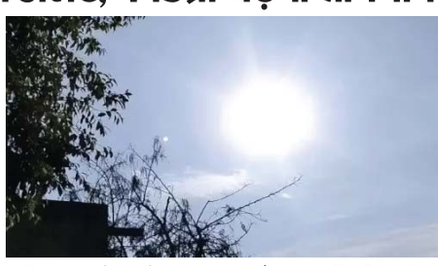

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। कल यानी 16 अप्रैल से बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग के कुछ इलाकों में हीट वेव चलने की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के तापमान में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में मौसम ड्राई बना रहा।

मौसम विभाग के अनुसार सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री रायपुर में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.9 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। इस दौरान कहीं भी बारिश नहीं हुई और कोई सक्रिय मौसम प्रणाली भी नहीं है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में फिलहाल मौसम ड्राई ही बना रहेगा। अगले 2 दिनों तक भी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि कुछ जगहों पर हीट वेव की स्थिति बन सकती है।

वेदांता पावर प्लांट हादसा : अब तक 17 की मौत, दंडाधिकारी जांच का आदेश

वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 17 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 6 की मौत रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, 5 की जिला अस्पताल रायगढ़ और 2 की रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। हादसे के बाद जिला कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

बता दें वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था। हादसे में कुल 36 लोग झुलस गए। हादसे में अब तक कुल 16 लोगों की मौत हो गई है। 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। फिलहाल 4 मृतकों की पहचान ठंडाराम और पप्पू कुमार और अमृत लाल पटेल (50) और यूपी के बृजेश कुमार के रूप में हुई है। बाकी की पहचान की जा रही है।

वेदांता प्रबंधन ने मृतक परिजन को 35-35 लाख रुपए सहायता राशि और नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले PMO ने मुआवजे की घोषणा की थी। PMNRF से हर मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया।

दंडाधिकारी जांच के आदेश

वेदांता पावर लिमिटेड बुधवार को हुए हादसे के बाद दंडाधिकारी जांच का आदेश दिया गया है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने निम्न बिंदुओं पर जांच का आदेश देते हुए 30 दिन के भीतर रिपोर्ट जमा करने कहा है। घटना कब और कैसे घटित हुई? घटना दिनांक को घटना स्थल पर कौन-कौन मजदूर कार्यरत थे एवं घटना में किन-किन मजदूरों की मृत्यु हुई तथा कौन-कौन मजदूर घायल हुये ? उन परिस्थितियों के कारण जिनके फलस्वरूप घटना घटित हुई थी? सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा द्वारा वेदांता पावर लिमिटेड में उत्पादन प्रारंभ होने से लेकर घटना दिनांक तक कब-कब निरीक्षण किया गया है? क्या निरीक्षण में कोई खामियां पायी गई है, यदि हां तो क्या कार्यवाही की गई? उक्त घटना घटित होने का कारण तकनीकी या मानवीय क्या कारण है? उक्त घटना घटित होने के लिए कौन जिम्मेदार हैं? भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना न हो, इस हेतु रोकथाम के उपाय एवं सुझाव।

मुंबई मेट्रो हादसाः निर्माण कार्य के दौरान पलटा 400 टन का क्रेन

मुंबई ए.। मुंबई में मेट्रो लाइन 2B के निर्माण कार्य के दौरान बुधवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के पास एशियन हार्ट हॉस्पिटल जंक्शन के नजदीक काम कर रहा 400 टन क्षमता वाला मोबाइल क्रेन अचानक पलट गया।

यह क्रेन प्री-कास्ट बीम उठाने का काम कर रहा था, तभी अचानक तकनीकी खराबी आने से यह हादसा हुआ। यह काम ठेकेदार कंपनी जे कुमार इन्फ्रप्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा था, जबकि परियोजना की निगरानी मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी कर रही है।

इस हादसे में किसी भी तरह की चोट या जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हादसे की जानकारी मिलते ही MMRDA के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके बाद आसपास के इलाके में ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया गया ताकि राहत और हटाने का काम आसानी से हो सके। अधिकारियों ने बताया कि पलटे हुए क्रेन को हटाने के लिए 600 टन क्षमता वाला एक और बड़ा क्रेन मंगाया जा रहा है।

मेनू में अब पनीर की जगह लिखना होगा एनालॉग क्योंकि होटलों में पाउडर-फैट का एनालॉग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। होटल व ढाबों में अगर दूध से बने पनीर की आपूर्ति नहीं है तो संचालक अपने मेनू कार्ड से पनीर बटर मसाला, पनीर टिक्का आदि पनीर से बनाई जाने वाली डिश के लिए पनीर शब्द की जगह एनालॉग बटर मसाला, एनालॉग टिक्का आदि-आदि लिखेंगे। क्योंकि बाजार में ज्यादातर दूध से बने पनीर की जगह स्किम्ड मिल्क पाउडर, फैट, सोयाबीन ऑयल आदि से बना एनालॉग धड़ल्ले से बिक रहा है।

आम आदमी दोनों में देखकर कोई अंतर नहीं कर सकता, इसलिए राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सख्ती का निर्णय लिया है। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक अग्रवाल के मुताबिक होटल, ढाबे अपने यहां अगर दूध से बने पनीर का

इस्तेमाल कर पनीर संबंधी डिश बना रहे तो ही मेनू कार्ड में पनीर बटर मसाला, पनीर टिक्का आदि लिखेंगे।

दूध से बने पनीर और एनालॉग में अंतर क्या

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अनुसार पनीर दो प्रकार से बनाई जाती है। एक तो यह कि गाय या भैंस के दूध को गर्म करने के बाद,नींबू या सिरके से फाड़कर बनने वाले छेने से बनाते हैं। कानूनी व नियमों के तहत इसे ही पनीर कहा जाता है। लेकिन इसे एसएमपी अर्थात स्किम्ड मिल्क पाउडर, फैट, सोयाबीन ऑयल आदि को ?मिलाकर भी बनाया जाता है। यह भी पनीर जैसा ही दिखता है, लेकिन इसे एनालॉग कहते हैं। एनालॉग सेहत के लिए नुकसान दायक, क्या? भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के नियमानुसार कोई भी लाइसेंस लेकर तय मानक में एनालॉग का उत्पादन कर सकता है। इसमें नियम यह कि एनालॉग को लूज अर्थात पनीर की तरह बेच नहीं सकते हैं। इसे नियम से पैक कर रैपर पर एनालॉग लिखकर बेचना होता है। एफएसएसआई ने एनालॉग के लिए उसमें मिलाए जाने वाले सभी पदार्थों का मानक निर्धारित किया है। उस मानक से ज्यादा होने पर नुकसानदायक होता है।

संपादकीय

उम्मीदों का गलियारा

हरित दृष्टिकोण का दिल्ली-देहरादून राजमार्ग

निस्संदेह, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए।

> “ जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दर्शाते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए। अंततः यह एक्सप्रेसवे आशा और सावधानी दोनों का ही पर्याय है। निर्विवाद रूप से यह भारत की तेज और स्मार्ट निर्माण की महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। इसके साथ ही उच्च मानकों की कसौटी पर खरा उतरने और जवाबदेही की जरूरत को भी रेखांकित करता है। निर्विवाद रूप से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की वास्तविक सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि यह पारिस्थितिक और संरचनात्मक गुणवत्ता से समझौता किए बिना दक्षता को बनाये रखे। इसके अलावा पर्वतीय राज्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और पर्यटन के दबाव से भूगर्भीय संवेदनशीलता की भी रक्षा हो। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से भूस्खलन व पर्यटकों का दबाव झेल रहे हिमालयी राज्यों में पर्यटन प्रकृति व स्थानीय संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। आने वाले दिनों में दिल्ली-देहरादून राजमार्ग उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को भी गति देगा, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से विस्तार होना निश्चित है। वहीं चीन से मिलने वाली किसी चुनौती से निपटने में सेना की गतिशीलता, रसद व सैन्य आपूर्ति में भी यह राजमार्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।

भारत की जनगणना 2027: बदलते भारत की नई कहानी

हमारी जनगणना-हमारा विकास' का संकल्प

रमेश जायभाये, उपनिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की छोटी-सी जानकारी—जैसे पानी, बिजली या परिवार के सदस्यों का विवरण—देश के विकास में कितना बड़ा योगदान दे सकती है? दरअसल, हर नागरिक की दी गई जानकारी मिलकर ही भारत के भविष्य की दिशा तय करती है।

इसी कड़ी में वर्ष 2027 की जनगणना एक खास पड़ाव बनने जा रही है। यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदलते भारत की एक नई कहानी है—एक ऐसी कहानी जिसमें हर नागरिक की भागीदारी है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल अंदाज़ में होगी, जो इसे पहले की सभी जनगणनाओं से अलग और अधिक आधुनिक बनाती है। छत्तीसगढ़ में इस महाअभियान को लेकर तैयारियाँ तेज़ी से पूरी की जा रही हैं। वातावरण ऐसा है मानो कोई बड़ा जनउत्सव आने वाला हो—और वास्तव में, यह एक ऐसा अभियान है जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

कहानी शुरू होती है इतिहास से

भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी और 1881 से इसे पूरे देश में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। स्वतंत्रता के बाद 1951 में पहली जनगणना आयोजित हुई, जिसने देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस ऐतिहासिक यात्रा का आधुनिक रूप है। यह न केवल देश की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी तैयार करेगी। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी—पहला चरण अप्रैल-मई 2026 में और दूसरा फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा। राज्य के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (रात 12 बजे) निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी।

अब आपकी बारीः खुद करें अपनी जनगणना!

इस बार जनगणना की सबसे रोचक और उपयोगी सुविधा है—स्व-गणना। अब आप स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच https//se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और ह्लक्क के माध्यम से लॉगिन कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आपसे परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी आयु, शिक्षा, व्यवसाय और घर की सुविधाओं से जुड़े कुछ सरल प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरी जानकारी भरने के बाद आपको एक SE ID प्राप्त होगी।

जब प्रगणक आपके घर आएंगे, तो केवल यह ID दिखानी होगी और आपकी जानकारी सत्यापित कर ली जाएगी—यानी बार-बार जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ दिखाने की आवश्यकता नहीं होती। आप जो जानकारी देंगे, वही दर्ज की जाएगी। स्व-गणना के प्रति लोगों का रुझान भी तेजी से बढ़ रहा है—देशभर में लाखों परिवार इस सुविधा का उपयोग कर चुके हैं, जो इस डिजिटल पहल की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

स्मार्ट तकनीक, सटीक आंकड़े और भरोसेमंद प्रक्रिया

इस बार जनगणना पूरी तरह तकनीक के सहारे संचालित होगी। प्रगणक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करेंगे, जिससे काम तेज़ और अधिक सटीक होगा। साथ ही, आधुनिक GIS आधारित डिजिटल मैपिंग का उपयोग कर हर क्षेत्र और गणना ब्लॉक को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जा रहा है, ताकि कोई भी घर या व्यक्ति छूट न जाए। डेटा के बेहतर प्रबंधन और निगरानी के लिए उन्नत डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहती है। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, इस बार जाति संबंधी आंकड़ों का भी समावेश किया जाएगा, जो दशकों बाद समाज की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेगा। जनगणना में समाज के हर वर्ग को शामिल करने का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसी के तहत बेघर व्यक्तियों की गणना भी अलग से, विशेष अभियान के माध्यम से की जाती है, ताकि कोई भी नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। और जहाँ तक आपकी जानकारी की सुरक्षा का सवाल है—यह पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसे किसी अन्य विभाग या एजेंसी के साथ साझा नहीं किया जाता।

छत्तीसगढ़ तैयार, आपकी भागीदारी जरूरी

छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियाँ की गई हैं। शहरों से लेकर गाँवों तक, हर क्षेत्र में जनगणना टीम सक्रिय रहेगी, ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए। नागरिकों की सुविधा के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है, जहाँ किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता प्राप्त की जा सकती है। लेकिन इस पूरे अभियान की असली ताकत है—आपकी भागीदारी। जब आप सही जानकारी देते हैं, तो आप केवल एक फॉर्म नहीं भरते, बल्कि अपने क्षेत्र के विकास में योगदान देते हैं। आपकी दी गई जानकारी से ही तय होता है कि कहाँ नई सड़क बनेगी, कहाँ स्कूल खुलेगा और कहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत है।

आखिर में एक छोटी-सी बात

जनगणना एक आईना है, जिसमें देश खुद को देखता है। इस बार यह आईना डिजिटल है—तेज़, सटीक और आधुनिक और इसमें जो तस्वीर दिखेगी, उसे बनाने में आपका भी योगदान होगा। तो आइए, इस जनगणना अभियान का हिस्सा बनें—स्व-गणना करें, सही जानकारी दें और देश के विकास की कहानी में अपनी भूमिका निभाएं।

लोकतंत्र में महिलाओं को उचित हक दिलाने की पहल

ओम प्रकाश धनकर

नारी वंदन क़ानून में सुधार एक उत्सव बन गया है। आगामी 16, 17, 18 अप्रैल की तिथियां भारतीय इतिहास में गौरवमयी स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होने जा रही हैं। साल 2026 का बैसाखी का त्योहार एक नव पर्व के रूप में पल्लवित हो रहा है। ऐसा लग रहा था विधायिका में महिला सहभागिता का अवसर 2034 के चुनाव के साथ अवतरित होगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की समसामयिक पहल से यह अवसर 2029 में साकार हो रहा है।

आगामी मंजिल पांच साल पहले आ रही है। चाव से भरी हुई देश की नारी शक्ति को बधाई! पंजाबी में एक फिल्म है—गोडे गोडे चाव। इस फिल्म की केंद्रीय कथा महिलाओं के पहली बार बारात चढ़ने की है। बारात में जाने में जब वे सफल होती हैं तब जिस चाव से उनके कदम उठ रहे हैं, उसे कथाकार ने 'गोडे गोडे चाव' कहा है। भारत की समस्त दल-नेत्रियों समेत जागरूक महिलाओं, महिला संगठनों व युवतियों में इस अधिनियम में सुधार तुरंत आने से वैसा ही गोडे गोडे चाव है। यानी यह चाव महिला जगत के सम्पूर्ण वातावरण में देखा जा रहा है।

महिलाओं ने हर अधिकार वर्षों के संघर्ष से पाया है। जीवन हो, पोषण हो, शिक्षा हो, सम्पत्ति में हिस्सेदारी, मताधिकार, विभिन्न नौकरियों में सहभागिता-शताब्दियों की तपस्या, संघर्ष व धैर्य से अर्जित किए। दुनिया के विभिन्न देशों, समाजों व समुदायों की अलग-अलग धाराओं में आज भी महिलाएं काफी पीछे हैं। अनेक अधिकारों से वंचित व पीड़ाओं में भी हैं। वर्षों तक मां की कोख ही कब्र बनती रही हैं। मेरे एक मित्र हैं विद्यार्थी परिषद में, 1990 के दशक में साथ काम करते थे, उन्होंने उस समय मुझे बताया उनकी भतीजी पहली बेटी है जो उनके गांव में ज़िंदा रखी गई है। मेरे लिये ये सुनना आंखें खोलने वाला था। हमारे भारत के ही एक हिस्से में ये स्थिति रही है। मैं चार बहनों, तीन बुवाओं और चार मौसियों के मध्य बड़ा हुआ था। लेकिन एक दशक पहले आधुनिक तकनीकों व पुत्र मोह की सोच से जब मां की कोख ही बेटियों के लिए कब्र बन रही थी तब हमारे बुरी तरह बिगड़े लिंगानुपात के कारण बेटियों के लिए करुणामय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हरियाणा में पानीपत की भूमि पर आकर- 'हम बेटियों को बचायें'-इसके लिए झोली फैलाई थी।

इस करुण कथा के समानांतर भारतीय महिलाएं अपने परिश्रम से हर जगह खुद को साबित भी कर रही थीं। अंतरिक्ष में, सेना में, खेलों में, विज्ञान में, उद्यमिता में, प्रशासन मे, हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी क्षमता प्रदर्शित की। विज्ञान, प्रौद्योगिकी व सशस्त्र बलों तक खुद को बेहतर साबित किया। विधायिका में उनकी सहभागिता अभी हाशिये पर है। वर्तमान आंकड़ों पर दृष्टिपात करें तो विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या 9 प्रतिशत से भी कम है। जबकि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या मात्र 14 प्रतिशत से कम है। वैश्विक स्तर पर भारत इस मामले में 140 से अधिक देशों से पीछे है।

अब समय को भारतीय नेतृत्व ने पहचान लिया है कि राजनीति में भी नारी शक्ति को उसका उचित स्थान दें। सच्चा, समावेशी और सशक्त लोकतंत्र बिना महिलाओं की समान भागीदारी के अधूरा ही रहता है। महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, बाल विकास व महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहरी समझ रखती हैं। जब वे खुद सांसद या विधायक बनती हैं तो नीतियां कागजी नहीं, बल्कि जमीन पर उतरती हैं। पंचायतों में जहां महिलाएं सत्ता में आईं, वहां बाल विवाह घटा, लड़कियों की शिक्षा बढ़ी और घरेलू हिंसा पर अंकुश लगा। अब यही प्रभाव पूरे देश स्तर पर दिखेगा।

विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट बताती है कि लैंगिक समानता से जीडीपी में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। यह बिल आर्थिक विकास का इंजन बनेगा। साल 2047 में विकसित भारत के स्वप्न को भी साकार करेगा। नारी वंदन का यह फैसला केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदल रहा, बल्कि पूरे समाज की सोच बदल रहा है। चुनावी मैदान में महिला उम्मीदवारों की तलाश बढ़ेगी, पार्टियां उन्हें टिकट देंगी, परिवार समर्थन करेंगे और समाज सम्मान देगा। एक दिन हम गर्व से कह सकेंगे'भारत वह देश है जहां बेटियां न केवल घर संभालती हैं, बल्कि संसद और विधानसभाएं भी संभालती हैं।'

नारी शक्ति वंदन क़ानून केवल एक अधिनियम नहीं, भारतीय समाज की उस सामूहिक चेतना का परिचायक है जो अब स्त्री-पुरुष के मध्य समानता को केवल आदर्श नहीं, वास्तविकता बनाना चाहती है। यह उस भारत की परिकल्पना है जहां माता-बहनें-बेटियां केवल घर की नहीं, राष्ट्र की भी नियति लिखेंगी। नारी शक्ति वंदन की पहल भारत की सबसे बड़ी सामाजिक न्याय की विजय है। यह बिल कह रहा है'अब इंतजार नहीं, अब हिस्सेदारी। अब महिलाएं पीछे नहीं, बल्कि आगे, बराबरी पर और नेतृत्व में होंगी। हर भारतीय नागरिक, हर राजनीतिक दल और हर युवा को इस बिल का स्वागत करना चाहिए। क्योंकि जब नारी सशक्त होगी, तब भारत सशक्त होगा। आओ भारत की बेटियो : संसद की सीढ़ियां अब तुम्हारा भी इंतजार कर रही हैं।

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सचिव हैं।

युद्ध, बच्चे और हमारी सामूहिक विफलता

डॉ. रीतू सारस्वत

हाल ही में नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास में 'एंजेल्स ऑफ मिनाब' नाम से एक प्रदर्शनी आयोजित की गई है, जिसमें उन छोटे बच्चों की बनाई तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया है, जो ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल के मलबे से बरामद हुई थीं। ये चित्र उस त्रासदी के साक्ष्य हैं, जिसमें एक हमले के दौरान अनेक बच्चों और अन्य नागरिकों की जान चली गई। यह प्रदर्शनी केवल कलात्मक अभिव्यक्ति का मंच नहीं है, बल्कि उन बच्चों के मौन को दर्ज करने का माध्यम है, जो इस घटना के बाद बोलने के लिए जीवित नहीं रहे। इन चित्रों को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वयस्कों के राजनीतिक और सैन्य संघर्षों के बीच बच्चों का जीवन सबसे पहले और सबसे आसानी से नष्ट होता है। यह स्थिति किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था का संकेत है, जिसमें बच्चों का अस्तित्व और सुरक्षा लगातार उपेक्षित रहते हैं। यह केवल एक घटना का विवरण नहीं, बल्कि उस व्यापक वास्तविकता की ओर संकेत है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए आकलन भी रेखांकित करते हैं।

यूनिसेफ द्वारा जारी हालिया आकलन में, 'यूनिसेफ स्टैंड्स विद ईरान्स चिल्ड्रेन ऐज़ सीज़फायर ऑफ्फ्स पाथ टू रिकवरी' के संदर्भ में यह स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है कि वर्ष 2026 के आरंभिक महीनों में ईरान में दर्ज सैन्य हमलों और उनसे उत्पन्न मानवीय परिस्थितियों के दौरान 1100 से अधिक बच्चे मारे गए या घायल हुए हैं, और इन घटनाओं के प्रभाव बच्चों के जीवन पर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। यूनिसेफ ने यह भी रेखांकित किया है कि इन परिस्थितियों का सबसे अधिक और सबसे गहरा असर बच्चों पर पड़ा है। वे न केवल शारीरिक क्षति का सामना कर रहे हैं, बल्कि भय, असुरक्षा और दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक आघात के साथ जीवन जीने के लिए विवश हैं। यूनिसेफ के अनुसार, जिन बच्चों का स्थान विद्यालयों और सुरक्षित पारिवारिक वातावरण में होना चाहिए था, वे आज विस्थापन, अस्थिरता और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बीच जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अनेक बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया है और जो जीवित हैं, उनके लिए सामान्य जीवन की संभावना भी गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। यह स्थिति केवल एक मानवीय संकट नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था की गहरी विफलता को भी रेखांकित करती है, जो बच्चों की सुरक्षा के दावों के बावजूद उन्हें सबसे अधिक असुरक्षित छोड़ देती है। यह स्थिति केवल वर्तमान परिदृश्य का संकेत नहीं देती, बल्कि उस गहरी मानवीय त्रासदी की ओर भी इंगित करती है, जिसे सभ्य समाज ने अपनी आकांक्षाओं की आड़ में उपेक्षित कर दिया है। वर्ष 1956 में प्रकाशित पुस्तक 'नाइट' इस त्रासदी को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में सामने आती है, जिसमें एली विज़ेल ने अपने जीवन के उन अनुभवों को दर्ज किया है, जिन्हें उन्होंने मात्र 15 वर्ष की आयु में स्वयं जिया। ट्रांसिल्वेनिया के सिघेट शहर में जन्मे इस बालक को 1944 में उसके परिवार सहित उसके निवास-स्थान से हटाकर ऑशविट्ज और बाद में बुचेनवाल्ड जैसे यातना शिविरों में भेज दिया गया। यह कृति केवल एक व्यक्ति की स्मृतियों का संकलन नहीं है, बल्कि उस व्यापक मानवीय संकट का प्रमाण है, जिसमें एक बालक का बचपन, विश्वास और जीवन-बोध एक साथ विखंडित हो जाते हैं।

विज़ेल लिखते हैं कि 'मैं उन लपटों को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने मेरे विश्वास को सदा के लिए समाप्त कर दिया; मैं उस सन्नाटे को कभी नहीं भूल सकता, जिसने मुझसे जीवन की इच्छा छीन ली; और मैं उन क्षणों को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने मेरी आत्मा को नष्ट कर मेरे सपनों को राख में बदल दिया।' यह कथन केवल एक बालक की व्यक्तिगत स्मृति नहीं है, बल्कि उन असंख्य बच्चों की सामूहिक पीड़ा का प्रतिनिधित्व करता है, जो युद्ध और हिंसा के बीच अपने अस्तित्व से पहले ही वंचित हो जाते हैं।

युद्ध की त्रासदी का एक अन्य आयाम उस समय सामने आता है, जब हम 'ए डायरी ऑफ अ यंग गर्ल' को देखते हैं, जिसे ऐन फ्रैंक ने 1942 से 1944 के बीच, लगभग दो वर्षों तक, उस अवधि में लिखा जब वह अपने परिवार के साथ नाज़ी उत्पीड़न से बचने के लिए एक बंद स्थान में छिपकर रहने के लिए विवश थी। लगभग 13 से 15 वर्ष की आयु के बीच लिखी गई यह डायरी एक ऐसी बालिका के जीवन का सजीव दस्तावेज है, जो निरंतर भय, असुरक्षा और सीमित परिस्थितियों के बीच भी अपने सामान्य जीवन और सपनों को बनाए रखने का प्रयास कर रही थी। ऐन फ्रैंक की मृत्यु के उपरांत यह डायरी 1947 में प्रकाशित हुई, और यह केवल एक बालिका की स्मृतियों का संकलन भर नहीं है, बल्कि उन असंख्य बच्चों के जीवन की प्रतिनिधि कथा है, जिन्हें युद्ध ने असमय ही समाप्त कर दिया।

इसी डायरी में वह लिखती है, 'आई वांट टू गो ऑन लिविंग इवन आफ्टर माई डेथ' (मैं अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रहना चाहती हूं) यह केवल एक बालिका की साधारण अभिलाषा नहीं है, बल्कि उन असंख्य अधूरे जीवनों की प्रतिध्वनि है, जिन्हें युद्ध ने पूर्ण होने का अवसर ही नहीं दिया। यह पंक्ति इस तथ्य को अत्यंत स्पष्टता से सामने लाती है कि युद्ध बच्चों से केवल उनका वर्तमान ही नहीं छीनता, बल्कि उनके भविष्य की संभावनाओं को भी जन्म लेने से पहले ही समाप्त कर देता है। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफद्वारा 2023 में जारी रिपोर्ट 'मोअर दैन 300,000 ग्रेव वायलेशन्स अगेंस्ट चिल्ड्रेन इन कॉन्फ्लिक्ट वेरिफाइड वर्ल्डवाइड ओवर द पास्ट 18 इयर्स' के अनुसार, 2005 से 2023 के बीच कम से कम 1,20,000 बच्चे युद्ध में मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए हैं—अर्थात? औसतन हर दिन लगभग 20 बच्चे। इसके साथ ही, यूनिसेफ द्वारा 2024 में जारी आकलन 'नॉट अ न्यू नॉर्मल : 2024 इज़ वन ऑफद वर्स्ट इयर्स फॉर चिल्ड्रेन इन कॉनफ्लिक्ट' यह संकेत करता है कि यह स्थिति सुधरने के बजाय और अधिक गंभीर होती जा रही है।

लेखिका समाजशास्त्री हैं।

महुआ के फूल

असीस हे भगवान, मिले
हावे वरदान,
महुआ के गुन गाबो,
सुग्घर संसार हे।

पेट पाट पोसत हे, महुआ
के फूल संगी,
झरत हे झर-झर,
वनांचल प्यार हे।

मोंगरा के फूल सही,
'सुषमा' सुघ्घर दिखे,
अँचरा म महकत,
भुइयां दुलार हे।

जंगल के पहिचान, गरीब
मितान हावे,
आस भरे रोजी रोटी'
अब्बड़ व्यापार हे ॥ (1)

सुख मिले छैहां तरी, नोट
मिले खरी-खरी,
परिवार हाँसी-खुशी,
ईश उपहार हे।

नोनी बाबू बिहा करो,
मड़वा बनाके संगी,
पान ले सगुन होथे,
मंगल अपार हे।

आनी-बानी लड्डू बर्फी,
साबुन मुरब्बा कैंडी,
मिलत हे बजार म,
महुआ अचार हे।

महुआ के तेल संग, रांध के
खाथन साग,
भूख ल मेटाय संगी,
जीवन अधार हे ॥ (2)

सुषमा प्रेम पटेल
रायपुर

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दो दोस्तों की मदद से उठी गरीब की बेटी की डोली

भिलाई। खुर्सीपार क्षेत्र के दो युवाओं की मदद से एक गरीब परिवार की बेटी का विवाह आसानी से हो गया। केनाल रोड जोन-2 खुर्सीपार में एक रिक्शा चालक की बेटी की शादी में आर्थिक दिक्कतें आ रही थी। ऐसे में स्थानीय निवासी जेडी खान और दीपक कुमार ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया। जिसमें दोनों दोस्तों ने राशन का सामान इस परिवार को उपलब्ध कराया। इसके बाद 12 अप्रैल को इस गरीब परिवार की बेटी की शादी निर्विघ्न सम्पन्न हुई।

प्रदेश में अब यूरिया और खाद के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य

भिलाई। आने वाले खरीफ सीजन में खाद खरीदने के लिए फार्मर आईडी को अनिवार्य कर दिया गया है। जिस किसान के पास फॉर्मर आईडी होगी, उसे ही समितियों से यूरिया, पोटाश, डीपी आदि खाद मिलेगा। इतना ही नहीं बिना आईडी के किसान बाजार से निजी दुकान में भी यदि खाद खरीदने जाएंगे तो दुकानदार उनका नाम, नंबर आदि दर्ज करेगा, तब जाकर वे खाद खरीद पाएंगे। नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सही किसानों तक सही मात्रा में खाद पहुंचना है, ताकि अनियमित वितरण और ब्लैक मार्केटिंग को रोका जा सके।

राजधानी की तरह अमलेश्वर का होगा विकास : सांसद

पाटन। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के समग्र विकास के लिए सांसद विजय बघेल की मंशा और उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव की स्वीकृति के अनुसार 13 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि अमलेश्वर नगर पालिका राजधानी के पास दुर्ग जिले का महत्वपूर्ण निकाय क्षेत्र है। विकास ही अमलेश्वर की संस्कृति और यहां की पहचान है। इसलिए राजधानी क्षेत्र के अनुरूप यहां योजनाबद्ध विकास पर जोर दिया जा रहा है, ताकि सुविधाओं का सीधा लाभ आम जनता को लंबे समय तक मिलता रहे। उन्होंने कहा फिलहाल विकासशील नगर होने से अमलेश्वर में विभिन्न निर्माण कार्यों का योजना के प्रस्ताव नगर पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर और परिषद की ओर से दिया गया है।

क्रिकेट ग्राउंड बना कूड़ा करकट का डम्म आर्ड

भिलाई। राधिका नगर का आरके क्रिकेट ग्राउंड इन दिनों कचरे, मलबे और बिल्डिंग मटेरियल से पटा हुआ है। एक समय इस क्रिकेट ग्राउंड में जिला स्तरीय टूर्नामेंट हुआ करते थे, आज उसी क्रिकेट ग्राउंड में जोन-1 आयुक्त नेहरू नगर के बोर्ड लगाए जाने के बाद भी स्थानीय लोगों, बस्ती के रहवासियों, सफाई कर्मचारियों ही द्वारा मना करने के बाद भी कचरा, बिल्डिंग मटेरियल इत्यादि फेंका जा है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस पर फायर ब्रिगेड ने किया सुरक्षा प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस 2026 को श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर अग्निशमन कर्मियों द्वारा आकर्षक परेड, उत्कृष्ट अग्निशमन कर्मियों का सम्मान तथा अत्याधुनिक अग्निशमन वाहनों, उपकरणों एवं सुरक्षा संसाधनों व अग्नि-दुर्घटनाओं से निपटान का सजीव प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने अग्निशमन सेवा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परेड की सलामी ली, एवं गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उपस्थित अग्निशमन कर्मियों को राष्ट्र एवं संयंत्र के प्रति सुरक्षा व समर्पण और निष्ठा की शपथ दिलाई गयी।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने हेतु जागरूकता-वर्धन और प्रदर्शन भी किए गए। इनमें गोदाम एवं वेयरहाउस अग्निकांड, पटाखा दुर्घटनाएं, प्राथमिक अग्निशमन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग, विभिन्न प्रकार के अग्निशामकों का संचालन, रसोई एवं एलपीजी सिलेंडर अग्निकांड, पेट्रोकेमिकल आग की रोकथाम तथा हाई-एक्सपेंशन फोम के उपयोग जैसे तकनीकी अभ्यास शामिल थे।

इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवा देने वाले अग्निशमन कर्मियों एवं अग्नि सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। अग्निशमन कर्मी श्री भीमेश कुमार पांडेय एवं लीडिंग फायरमैन गुलशन कोठारी को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए 'सर्वश्रेष्ठ फायरमैन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ईडी एमएम अजय कुमार चक्रवर्ती, ईडी (एफएंडए) प्रवीण निगम, ईडी प्रोजेक्ट प्रबीर कुमार सरकार, ईडी वर्क्स राकेश कुमार, ईडी माइंस कमल भास्कर, ईडी रावघाट अरुण कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य महाप्रबंधकगण सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, मीडिया प्रतिनिधि, संयंत्र कर्मी, उनके परिजन एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को मनाया जाता है, जो 1944 के बॉम्बे डॉकयार्ड अग्निकांड में वीरगति को प्राप्त हुए 66 अग्निशमन कर्मियों के बलिदान की स्मृति में समर्पित है। वर्ष 2026 के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित थीम है— सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - अग्नि रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास।

श्री महापात्र ने बॉम्बे डॉकयार्ड के 66 वीर शहीदों एवं देशभर के उन सभी अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने अपने कर्तव्य निर्वहन में अपने प्राणों की आहुति दी।

बीएसपी में श्रद्धापूर्वक मनाई गई बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर जयंती

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल -भिलाई इस्पात संयंत्र में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन बीएसपी के औद्योगिक संबंध विभाग एवं बीएसपी एससी/एसटी कर्मचारी संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम के पूर्व निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेक्टर-6 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

महात्मा गांधी कला मंदिर में मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री महापात्र ने भारत रत्न डॉ. अंबेडकर को सामाजिक समरसता और समानता की दिशा में देश का मार्गदर्शक बताया। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका तथा उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक योगदानों को स्मरण किया, जिनका प्रभाव आज भी करोड़ों भारतीयों के जीवन में देखा जाता है। उन्होंने शिक्षा के प्रति डॉ. अंबेडकर की प्रतिबद्धता एवं महिलाओं तथा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके संघर्षमय जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए उनके संदेश—परिश्रम, दृढ़ता और निरंतर प्रयास, को अपनाने का आह्वान किया।अध्यक्ष (बीएसपी एससी/ एसटी कर्मचारी संघ) कोमल प्रसाद ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर, सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की बाद कही। इस अवसर पर डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित स्मारिका 'नया सवेरा' का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

'रैम्प योजना' के तहत नगर निगम क्षेत्र के उद्यमियों को बिजनेस डेवलपमेंट का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। केंद्र सरकार की रैम्प योजना के अंतर्गत, सीएसआईडीसी के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, उन्हें बाजार से जोड़ने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भिलाई नगर निगम में बिजनेस डेवलपमेंट सर्विस प्रोवाइडर प्रोग्राम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह (स॥त्र) के सदस्यों एवं महिला संचालित स्स्स्ध्ह्य को बाजार विकास हेतु आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, प्रदर्शनी एवं मेलों में भागीदारी, ब्रांड प्रमोशन तथा निर्यात के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है।

कार्यशाला के दौरान निम्न विषयों पर विशेष जानकारी प्रदान की गई। बिज़नेस डेवलपमेंट सर्विस प्रोवाइडर प्रोग्राम योजनाएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलों/प्रदर्शनी में भागीदारी की प्रक्रिया उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुधार। मार्केट लिंकज के अवसर ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, प्रेरक एवं मार्गदर्शक बताया।

प्रधानमंत्री आवासों को मई से पहले पूरा करने के निर्देश

- आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण
- हितग्राहियों को जल्द मिलेगा आधिपत्य
- अंशदान जमा करने वाले हितग्राहियों को मिलेगी प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज सुबह आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा निगम के अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों का औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने एएचपी (अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट) साइट का गहन अवलोकन करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं गति पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित कार्यों को मई माह तक हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को शीघ्र लाभ मिल सके। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को गंभीरता से लिया जाएगा।

आयुक्त ने कहा कि जिन हितग्राहियों द्वारा अपने अंशदान की पूर्ण किश्त जमा कर दी गई है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आवास का आधिपत्य प्रदान किया जाए। पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं हितग्राहियों से सतत संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, और इसका लाभ समय पर दिलाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों को समन्वय बनाकर कार्य करने और लक्ष्य समयसीमा के भीतर परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए।

48 घंटे में तालाब साफ, निगम की पॉण्ड मशीन का कमाल

- सफाई में पहले लग जाते थे 10 दिन
- गौठान से बघेरा तक सभी तालाब होंगे स्वच्छ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के तालाबों की सफाई में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सराहनीय पहल की गई है। निगम की पॉन्ड क्लीनर मशीन ने मात्र 48 घंटे के भीतर गौठान के समीप स्थित तालाब की सफाई कर उल्लेखनीय कार्य किया है।

यह कार्य महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल एवं विद्युत प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार के मार्गदर्शन में, कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद के नेतृत्व में टीम ने मशीन के माध्यम से तालाब के बीच तक पहुंचकर जलकुंभियों को प्रभावी रूप से बाहर निकाला।

पॉन्ड क्लीनर मशीन की विशेषता यह है कि जो कार्य मैन्युअल रूप से करना अत्यंत कठिन और समयसाध्य होता है, उसे यह मशीन बेहद कम समय में आसानी से पूरा कर देती है। सामान्यतः 10 दिनों में होने वाला कार्य मशीन से 2 दिनों में पूर्ण हो जाता है। गौठान तालाब की सफाई के पश्चात मशीन को तत्काल ढोंगिया तालाब, वार्ड क्रमांक 56 बघेरा में स्थानांतरित कर सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। निगम द्वारा आगामी दिनों में शहर के सभी प्रमुख तालाबों की सफाई इसी मशीन के माध्यम से किए जाने की योजना है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। पॉन्ड क्लीनर मशीन से तालाबों की सफाई तेज और प्रभावी ढंग से हो रही है। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि निगम का लक्ष्य शहर के सभी तालाबों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना है। मशीन से कार्य की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार हुआ है।

पीलिया प्रभावित इलाके में स्वास्थ्य अमला तैनात

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 14 अप्रैल 2026 को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सीबीएस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला व रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियो-लॉजिस्ट, दुर्ग विजय सेजुले, सुपरवाईजर, हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए

भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाये गये मरीजों का रक्त नमूना लिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में 1 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 37 पीलिया के मरीज़ मिले। जिनमें 1 पुराने मरीज डिस्चार्ज हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस भिलाई में 03, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 01 उपचाररत है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

मौर्य काल के उल्लेख के बिना अधूरा है भारत का इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ सम्राट अशोक अकादमी की ओर से प्रधान कार्यालय में मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य की 2371 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्मृति चिन्ह पर पुष्प अर्पित कर अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिक्षाविद काशीनाथ वर्मा ने कहा कि-इतिहास से अगर मौर्य साम्राज्य को निकाल दिया जाए तो कुछ बचता ही नहीं है। भारत का इतिहास मौर्य साम्राज्य बिना अधूरा है। इसलिए अपने समाज के इतिहास को पढ़ना चाहिए और समाज में उसका प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए।

अध्यक्षता कर रहे अजय मौर्य ने कहा कि-मौर्य साम्राज्य से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बेहद प्रभावित थी। वक्ताओं में नीता कम्बोज शीरी ने कहा कि-अंग्रेजों द्वारा गुफा और शिलालेख खोजा ही नहीं गया बल्कि उस लिपि को पढ़ा गया। उनका पुरातत्व विभाग इतना सक्षम था जिसके कारण हम अपने वंश के विषय में आज जान रहे हैं। अजय वर्मा ने कहा कि -आज बच्चों को पढ़ाई के साथ -साथ रोजगार मूलक शिक्षा देने का वर्तमान समय है जिससे शिक्षा के बाद उन्हें रोजगार के लिए दर-दर भटकना न पड़े। लालचंद मौर्य ने अपने समाज के लिए किए कार्यों का विशेष रूप से चर्चा की। इसके अलावा संजय मौर्य, सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा,टी एन कुशवाहा और अंजन आदि ने भी संबोधित किया।

इसके पश्चात् सम्राट अशोक अकादमी छत्तीसगढ़ का प्रदेश स्तरीय चुनाव हुआ जिसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारी चुने गए। इनमें संरक्षक काशीनाथ वर्मा और लालचंद मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष -अजय मौर्य, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष -अजय वर्मा, प्रदेश महिला विंग अध्यक्ष -नीता कम्बोज शीरी, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष -आर एस मौर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष -सुरेन्द् सिंह कुशवाहा, प्रदेश महासचिव -एन एल मौर्य प्रीतम, प्रदेश कोषाध्यक्ष -आर बी सिंह कुशवाहा, प्रदेश मीडिया प्रभारी -रमेश भगत, प्रदेश अंकेक्षण -श्रवण कुमार मौर्य, प्रदेश सचिव -टी एन कुशवाहा अंजन, प्रदेश सूचना एवं प्रसारण सचिव -संजय मौर्य शामिल हैं। संचालन एन एल मौर्य प्रीतम ने किया और आभार प्रदर्शन संजय मौर्य ने किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रमेश भगत ने दी।

श्रीमंत झा ने आर्म रेसलिंग में गोल्ड मेडल जीता

भिलाई। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली खिलाड़ी श्रीमंत झा ने नॉर्वे पैरा आर्म रेसलिंग कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के साथ अब उनके नाम 64 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हो चुके हैं, जो उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने यह सफलता शहीद जवानों को समर्पित की है, जो उनके गहरे राष्ट्रप्रेम को दर्शाती है। श्रीमंत झा को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

नवा रायपुर में जनसैलाब के बीच गरिमामय वातावरण में मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित इंद्रावती भवन के समीप कैपिटल कॉम्प्लेक्स क्षेत्र के अंबेडकर चौक में एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डां बी.आर. अंबेडकर जयंती समारोह, संयुक्त आयोजन समिति के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं आम नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। सुबह से ही अंबेडकर चौक पर लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरे क्षेत्र में जय भीम एवं संविधान के जयघोष गूंजते रहे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, एवं अध्यक्षता महादेव कांवरे, संभागायुक्त रायपुर द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर उपस्थित जनों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। अंबेडकर चौक से एक भव्य रैली भी निकाली गई, जिसमें नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामाजिक समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया।

समारोह के दौरान आयोजन समिति द्वारा अंबेडकर चौक में संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की आदमकद कांस्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी गई। इस पर मुख्य अतिथि मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में यहां एक भव्य एवं विशाल प्रतिमा अवश्य स्थापित की जाएगी। मंत्री जी का यह व्यक्तव उपस्थित जनसमूह के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान की एक प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने बताया कि बाबासाहेब ने अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में रहते हुए विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त की और अपने ज्ञान, परिश्रम एवं दूरदर्शिता के बल पर भारत को विश्व का सबसे मजबूत संविधान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया, जो आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। अपने वक्तव्य में मंत्री ने समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार केवल किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों को जानें, समझें और संविधान के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं, ताकि एक समरस, समान और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके विचारों और समाज में लाए गए क्रांतिकारी परिवर्तनों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दिलीप वासनिकर ने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों की जानकारी देते हुए इसे विश्व का सबसे प्रभावशाली दस्तावेज बताया, वहीं कमल वर्मा ने कर्मचारियों और आम नागरिकों को अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। धनंजय देवांगन ने सामाजिक एवं आर्थिक स्वतंत्रता को संविधान की मूल भावना बताते हुए कहा कि यह सभी वर्गों के समग्र विकास का आधार है। सुभाष मिश्रा, अनिल बनज एवं आलोक देव ने जातिविहीन समाज की स्थापना, सामाजिक समता जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। मंजू बंसोड़ ने महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर के योगदान को रेखांकित किया, जबकि डॉ आर. के. सुखदेवे ने शिक्षा को समाज के विकास की आधारशिला बताया। आर. पी. भतपहरी ने वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान में डॉ. अंबेडकर की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक महान नेता ही नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जिनकी प्रासंगिकता आज भी समाज में बनी हुई है। संयुक्त आयोजन समिति के संयोजक देवलाल भारती ने अपने संबोधन में कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को डॉ. अंबेडकर के विचारों से जोड़ना तथा असमानता को दूर कर समानता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जागरूक करने और संविधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी आमंत्रितों एवं नागरिकों को डॉ. अंबेडकर का पैरा आर्ट फोटोफ्रेम संविधान की प्रस्तावना तथा संविधान की पुस्तकें भेंट की गईं।

कार्यक्रम में अश्विनी कुमार बंजारा, एच.के. रंगारी, अगर लाल जोशी, कमलेश बंसोड, राजीव अहिरे कृष्ण लाल कश्यप, विमल शाण्डिल्य, शैलेंश टेंबुरने, कैलाश नेताम, घनश्याम साहू, यू एस राठिया, भूपेन्द्र सिंह ठाकुर, एन आर चंद्रवंशी, एल. एन. कोसरिया , श्रीमती विद्या भारती, सुश्री कांति सूर्यवंशी, आशा पात्रे, टीकू रावटे, उमेश सिंह, अनिल मालेकर, अश्विन पात्रे, ए.एस. मरावी, जी.एस. पैकरा, डी.एस. धुवे, राजदेव लकड़ा, वीरेंद्र मिरचे, रमेश घिदौडे, मुक्त नंद खूटे, एस.आर. टंडन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक स्थानीय, मंडल अध्यक्ष देशवन बघेल ग्रामीण सरपंच, उप सरपंच, जनपद प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने तथा संविधान के मूल्यों का पालन करने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल डॉ. अंबेडकर के प्रति श्रद्धा का प्रतीक रहा, बल्कि समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के संदेश को सशक्त रूप से प्रसारित करने में भी सफल रहा।

पिंकी सोनी का 'कच्चे मकान' से 'सपनों के आशियाने' का सफर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अगर इरादे मजबूत हों और सुशासन का साथ मिले, तो बरसों पुराने सपने भी सच हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ है, बालोद जिले की रहने वाली पिंकी सोनी के साथ, जिन्होंने अपने जीवन के 20 साल एक कच्चे मकान की जद्दोजहद में बिता दिए। आज प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत उन्हें अपना पक्का घर मिल गया है। जहां वे अपने 03 बच्चों के साथ खुशी खुशी रहती है।

पिंकी सोनी बताती हैं कि पिछले दो दशकों से वे एक कच्चे मकान में रह रही थीं। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकना और तेज हवाओं में टीन की चादरें उड़ जाना उनके लिए हमेशा एक चुनौती थी। अपने पति के निधन के बाद, तीन छोटे बच्चों की जिम्मेदारी और आर्थिक तंगी ने उनके लिए पक्का घर बनाना एक नामुमकिन सा सपना बना दिया था। वे खिलौने की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। पिंकी ने बताया कि इस मुश्किल दौर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी उनके लिए एक नई उम्मीद लेकर आई। उन्हें चार किस्तों में 02 लाख 50 हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई, जिससे उनका पक्का घर बनकर तैयार हुआ। इतना ही नहीं, गृह प्रवेश के लिए उन्हें गृह प्रवेश सम्मान योजना के तहत 32 हजार 850 रुपए की अतिरिक्त राशि भी प्रदान की गई, जिससे उन्होंने विधि-विधान से पूजा-पाठ कर अपने नए घर में कदम रखा। इसके साथ ही, उन्हें महतारी वंदन योजना का लाभ भी मिल रहा है, जिसकी राशि हर महीने सीधे उनके बैंक खाते में आती है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक संबल मिला है। अपनी आंखों में खुशी के आंसू लिए पिंकी सोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा अपना पक्का घर होगा। आज मेरा सपना साकार हो गया है। मैं सरकार को धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने हमारी भी सुध ली।

महतारी वंदन योजना के लिए ईकेवायसी कराना अनिवार्य

सारंगढ़ बिलाईगढ़। महतारी वंदन योजना के तहत अब ईकेवायसी को अनिवार्य किए जाने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में हलचल तेज हो गई है। सरिया तहसील अंतर्गत लिसी पंचायत के ग्राम विजयपुर में व्हीएलई सुदामा प्रधान, रोजगार सहायक संतोष कुमार पटेल और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ललिता निषाद द्वारा घर-घर जाकर महिलाओं का ईकेवायसी किया जा रहा है। टीम लगातार सक्रिय रहकर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने में जुटी हुई है। राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ईकेवायसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिन महिलाओं का ईकेवायसी नहीं होगा, उन्हें मिलने वाली 1000 प्रतिमाह की राशि अगली किस्तों में रुक सकती है। ऐसे में प्रशासन और स्थानीय टीमों द्वारा लोगों को समय रहते प्रक्रिया पूरी करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि ईकेवायसी पूरी तरह निःशुल्क है मोबाइल नंबर की आवश्यकता होती है।

साहित्य भवन व सियान सदन को मिली अतिरिक्त भवनों की सौगात

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य व महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में किया गया सवा नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरबा के घंटाघर स्थित पं.मुकुटधर पाण्डेय साहित्य भवन एवं वहाँ पर स्थित सियान सदन को सुविधापूर्ण अतिरिक्त भवनों की सौगात प्राप्त हुई। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सवा 41 लाख रूपये की लागत से निर्मित उक्त दोनों भवनों का लोकार्पण उनके करकमलों के द्वारा किया गया। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, पंकज देवांगन व राकेश वर्मा सहित नगर के वरिष्ठ नागरिकगण, साहित्य भवन के पदाधिकारी व साहित्यकार बंधु उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निगम के वार्ड क्र 24 सियान सदन परिसर में जिला खनिज न्यास मद से 23 लाख 65 हजार रूपये की लागत से अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, प्रसाधन कक्ष, बाउण्ड्रीवाल, पेवर ब्लाक बिछाने आदि का कार्य कराया गया है, इसी प्रकार उक्त वार्ड में ही स्थित पं.मुकुटधर पाण्डेय साहित्य भवन में विधायक मद से 17 लाख 60 हजार रूपये की लागत से हाल का निर्माण विस्तार कार्य व अन्य व्यवस्थायें की गई हैं। आज प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उक्त दोनों महत्वपूर्ण कार्यो का लोकार्पण उनके हाथों किया गया।

वरिष्ठजनों का आशीर्वाद सबसे बड़ा धन

इस मौके पर उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वरिष्ठजनों का आशीर्वाद हम सबके लिये सबसे बड़ा धन है, वह व्यक्ति अत्यंत भाग्यशाली है, जिसे बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद नित्य प्राप्त होता है। उन्होने कहा कि जहॉ बुजुर्गो व वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाता है, उनकी सेवा की जाती है, उसी स्थान में शुभता का, सुख-समृद्धि का निवास होता है, हमारा परम कर्तव्य है कि हम अपने परिवार व समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान करें, उनकी सेवा करें तथा निरंतर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। उद्योग मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि आज सियान सदन में नवनिर्मित अतिरिक्त कमरों को बुजुर्गो की सेवा में सौपा जा रहा है, उन्होने इस मौके पर नवनिर्मित अतिरिक्त भवन में ए.सी. लगवाये जाने व टी.व्ही.की व्यवस्था कराये जाने की भी घोषणा की, इसके साथ ही उद्योग मंत्री देवांगन के आग्रह पर महापौर संजूदेवी राजपूत के द्वारा सियान सदन के अतिरिक्त भवन की चाबी भी सियान सदन समिति को सौपी गई, वहीं उद्योग मंत्री देवांगन ने बालको में सियान सदन निर्माण हेतु 10 लाख रूपये स्वीकृत किये जाने की घोषणा भी की। उद्योग मंत्री देवांगन ने साहित्य भवन के अतिरिक्त भवन निर्माण की शुभकामना देते हुये कहा कि अब साहित्यकार बंधुओं के लिये अपने क्रियाकलापों हेतु स्थान की कमी नहीं रहेगी, जो दो अतिरिक्त कमरे निर्मित कराये गये हैं, उनमें बाहर से आने वाले साहित्यकार भाई-बहनों के रूकने ठहरने की व्यवस्था भी हो सकेगी, इस मौके पर उन्होने साहित्य भवन का पूर्ण नियंत्रण साहित्य समिति को देने के निर्देश भी दिये।

सियान सदन में की जायेगी 50 और कुर्सियों की व्यवस्था

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन निश्चित रूप से शुभ दिन है कि आज एक ओर जहॉ हमारे बुजुर्गो को उनके सियान सदन में अतिरिक्त कक्ष प्रसाधन व अन्य विकास कार्यो की सौगात मिली है, वहीं दूसरी ओर साहित्य भवन में नवनिर्मित हाल व अन्य विस्तार कार्य का लोकार्पण भी हुआ है, मैं इसके लिये साहित्यकार बंधुओं एवं अपने वरिष्ठजनों को बधाई देती हूँ तथा उद्योग मंत्री देवांगन को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ, जिनके माध्यम से यह दोनों कार्य सम्पन्न हुये हैं।

इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने सियान सदन की आवश्यकता को देखते हुये 50 और कुर्सियों की व्यवस्था किये जाने की घोषणा की तथा घोषणा पर तत्काल अमल करने के निर्देश अधिकारियों को दिये, तो वहीं वार्ड पार्षद पंकज देवांगन ने सियान सदन के विकास एवं सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु अपनी पार्षद निधि से 02 लाख रूपये दिये जाने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि बुजुर्गो का सम्मान हमारी भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषता है, मुझे खुशी है कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने सियान सदन को यह सौगात देकर वरिष्ठजनों के प्रति अपने गहरे सम्मानभाव को प्रकट किया है। इस मौके पर उन्होने नगर के साहित्यकारों को साहित्य भवन में अतिरिक्त कक्ष, हाल विस्तार कार्य की सौगात मिलने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनायें दी।

इस अवसर पंकज देवांगन, राकेश वर्मा के साथ ही पत्रकार कमलेश यादव, युनूस दलियानपूरी, कृष्ण कुमार चन्द्रा, जगदीश श्रीवास, इंदू शर्मा, दीप दुर्गवी, वीणा मिस्त्री, निर्मला शर्मा, बलराम राठौर, अजय दास वैष्णव, भुनेश्वर तिवारी, गुलजार सिंह, शिव जायसवाल, पी.एन.सिंह, जे.के.तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, मनोज सिंह राजपूत, अनिल यादव, सुरेन्द्र राजवाड़े, कविता जैन, संतोष मिर्री, भुनेश्वर देवांगन, भारती चौरसिया, मोनू आदिले, रामरतन राठौर, सोहनलाल साहू, लीला कांत, अखिलेश्वर उपाध्याय, रंजना वैष्णव, बी.पी.देवांगन, जे.के.पाण्डेय, ए.के.देवांगन, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

बाबा साहेब के विचारों पर चलकर ही बनेगा बेहतर समाजः मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

चिकित्सा महाविद्यालय एवं अम्बेडकर अस्पताल में बाबा साहेब की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में आज संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने चिकित्सालय परिसर में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके संदेशों को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी समानता की भावना है, जहां किसी की पहचान उसकी जाति या समुदाय से नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व और कर्म से होती है। उन्होंने कहा कि इस सोच को मजबूत करने में बाबा साहब का अतुलनीय योगदान रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि आज़ादी से पहले दलित, शोषित, पीड़ित और वंचित समाज के अंतिम व्यक्ति की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता था लेकिन बाबा साहब ने उनके अधिकारों, सम्मान और न्याय के लिए संघर्ष कर उन्हें मुख्यधारा में स्थान दिलाया। इस संदर्भ में उन्होंने गुरु घासीदास बाबा के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को भी याद करते हुए सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें नृत्य, गीत एवं नाट्य मंचन के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन और उनके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

करियर का लेखा-जोखा

करें खुद का आकलन

● नमिता सिंह

कई बार हम लाख कोशिश करने व तरीके अपनाने के बावजूद अपने करियर को मनचाहा ट्रैक नहीं दे पाते या बॉस हमारे काम से संतुष्ट नहीं हो पाते। नतीजा तेज रफ्तार दौड़ने की बजाय हांफते हुए चलते हैं या अप्रेजल के दौरान बॉस की निगाह हमारे ऊपर नहीं पड़ती। इससे पूरे साल की जी-तोड़ मेहनत के बाद निराशा हाथ लगती है और हम अपने करियर में बदलाव के बारे में सोचने लगते हैं।

एक सर्वे रिपोर्ट कीमानें तो करीब 75 प्रतिशत से ज्यादा युवा मनचाही तरक्की न मिलने पर उसके बदलाव के बारे में सोचने लगते हैं, वहीं अधिकांश प्रोफेशनल्स ऐसे भी हैं, जो उसी जॉब में रहते हुए बेहतरी की उम्मीद करते हैं। उन्हें लगता है कि अपनी कोशिश और क्षमता की बदौलत वे सकारात्मक परिणाम दे पाने में सफल होंगे। यह सोचना बिल्कुल भी गलत नहीं है, लेकिन यह सब कुछ अपने आप पटरी पर नहीं आ पाता।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि हम ऐसा क्या करें कि हमारा करियर ट्रैक पर आ जाए और हम अपनी पिछली गलतियों को दोहराने से बच जाएं। इसके लिए सबसे पहले हमें खुद को यह भरोसा दिलाना होगा कि हमारे अंदर इतनी ऊर्जा और क्षमता है कि अपने करियर का मेकओवर करते हुए अपने लिए मनचाहा लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। यही है 'इंटरनल करियर ऑडिट।'

स्पष्टता हो

बतौर प्रोफेशनल आप अपने मजबूत क्षेत्रों में खुद को पहचानें। पूर्व में कुछ अच्छा किया है तो उसे भी सामने लाएं। साथ ही यह भी जाहिर करें कि आप किन क्षेत्रों में कुछ अच्छा करना चाहते हैं। आपको किसी तरह की ट्रेनिंग की जरूरत है तो उसे भी अपने बॉस से नि:संकोच कहें, लेकिन एक बात यह भी स्पष्ट होनी चाहिए कि जिन क्षेत्रों में आप कुछ करना चाहते हैं, उन्हें लेकर आपके पास एक प्लान होना चाहिए, ताकि आपके बॉस व संस्थान को भी लगे कि आप अपनी तरक्की के प्रति संजीदा हैं और संस्थान के प्रति प्रतिबद्ध।

जिम्मेदारी भी आपकी

जिंदगी हमें आगे बढ़ने के कई अवसर देती है। कई बार हम उसके इशारे को समझते हुए अपने अंदर आमूलचूल बदलाव लाते हैं, जबकि कई बार हम उन इशारों को या तो समझ नहीं पाते या जानबूझ कर नजरअंदाज कर देते हैं। दरअसल ये सारी बातें जिम्मेदारी से जुड़ी होती हैं। असफलता या मनचाही सफलता हासिल न कर पाने के बाद समस्याओं का बहाना न बनाते हुए यह जिम्मेदारी लें कि आप जल्द उन कमियों को दूर करते हुए करियर को सही दिशा में ले जाने का सतत् प्रयास करेंगे।

खुली आंखों से देखें सपने

हमें यह कतई नहीं भूलना होगा कि हम करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां हमें कुछ बदलाव करने की जरूरत है। हमें यह स्पष्ट करना होगा कि वे कौन से कदम उठाने हैं, जो करियर में आगे की ओर ले जाएंगे। इसमें जरा भी देरी और लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। जब आप सकारात्मक प्रयास करेंगे तो तमाम ऐसे रास्ते निकलेंगे, जो आपको लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

विकल्पों की सूची

हर करियर का अपना दिशा-निर्देश और सीमाएं होती हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले हमें उन्हें समझना होगा, क्योंकि किसी भी सफलता की 80 प्रतिशत बुनियाद इस बात पर टिकी होती है कि हमारे अंदर कितनी क्षमता है और हम मन से क्या चाहते हैं। यह भी जानना जरूरी है कि हम करियर के किन-किन क्षेत्रों में बेहतर कार्य कर सकते हैं। अपने विकल्पों की सूची तैयार करें और उसमें जो कुछ भी अपने मुताबिक लगे, उसी दिशा में काम करने की कोशिश करें।

रणनीति से मिलती है सफलता

जानकारियों के अभाव में हम ऐसी कई गलतियां कर बैठते हैं, जिनकी वजह से लक्ष्य से दूर होते चले जाते हैं। इसलिए हमें मन में यह गांठ बांधनी होगी कि सफलता कोई घटना नहीं है, जिसके परिणाम तत्काल सामने आ जाएंगे। इसके लिए पूरी प्लानिंग करनी होती है। इस समय करियर में तेजी से बदलाव हो रहा है और प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में हमें उन सभी जरूरी अवयवों (कंपोनेंट्स) को समझना होगा।

इमेज मेकओवर भी जरूरी

करियर में रुकावट को खत्म करते हुए दोबारा आगे बढ़ने के लिए खुद से संकल्प लें, अपने आप को साबित करने के लिए लगातार कोशिश करें। इसी को बदलाव का सबसे उचित समय मानते हुए खुद से सवाल करें कि आप किस तरह से अपनी आदतों में नयापन ला सकते हैं। इस कड़ी में अपने बाल, चश्मे, मेकअप, कपड़े, जूते, बैठने व बातचीत का तरीका, मुस्कराहट आदि पर भी काम कर सकते हैं। आप जल्द ही महसूस करेंगे कि कई छोटी-मोटी दिक्कतें अपने आप दूर चली गईं और आप उसी करियर में खुद को मजबूत स्थिति में खड़ा पाएंगे।

नकारात्मकता से बचें

'मैं कभी प्रमोशन नहीं पा सकता' या 'मैं कभी मैनेजर नहीं बन पाऊंगा' आदि कई तरह की नकारात्मक बातें हैं, जो मनमुताबिक अप्रेजल न होने या तरक्की की राह बाधित होने पर सामने आती हैं। निश्चित तौर पर ये बातें किसी भी प्रोफेशनल के आगे बढ़ने में बाधक हैं। दरअसल मनचाहा प्रमोशन न पाने या अप्रेजल ठीक से न होने पर नकारात्मक पहलू तेजी से मन-मस्तिष्क में पैठ बनाते हैं। ये रह-रह कर शब्दों के जरिए हमारे अंदर से निकलते रहते हैं। इसे किसी भी सूरत में उचित नहीं कहा जा सकता।

सफल लोगों के सम्पर्क में रहें

यदि आप खुद में बदलाव के लिए गंभीर हैं तो आपको कम से कम एक ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में रहना होगा, जो अपने कार्यक्षेत्र में सफलता की बुलंदी पर पहुंच चुका है। यह व्यक्ति आपका रोल मॉडल भी हो सकता है। आप इसके साथ समय व्यतीत करें और अपनी कमियां-अच्छाइयां जानें। आपके सम्पर्क अच्छे होंगे तो वह आपके पीछे दृढ़ता से खड़ा रहेगा। साथ ही उससे यह भी समझने का प्रयास करें कि किस तरह आप अपने अंदर सफलता पाने की खूबियां समाहित कर सकते हैं। ऐसे कई करियर काउंसलर या डेवलपमेंट प्रोग्राम हैं, जिनके जरिए आप अपने करियर को व्यवस्थित कर दोबारा पटरी पर ला सकते हैं।

लक्ष्य तक पहुंचने का हो नजरिया

सफलता पाने का या खुद में बदलाव लाने का एक तरीका यह भी है कि हम अपने लिए जरूरी साक्ष्यों की तलाश करें। करियर की आपाधापी या जल्दबाजी के चक्कर में अकसर लोग ऐसे क्षेत्र में चले जाते हैं, जहां उनकी पसंद या मनमुताबिक काम नहीं होता या प्रमोशन पाने के लालच में वे ऐसे काम से खुद को लाद बैठते हैं, जो उनकी रुचि में आता ही नहीं है। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि हम अपने लक्ष्य से भटकने लगते हैं। तीर तभी सही निशाने पर लगेगा, जब हमारा फोकस, डायरेक्शन और सकारात्मक ऊर्जा सही दिशा में काम करेंगे, अन्यथा हम खुद को असफल मानते हुए कोसते रहेंगे।

सिर्फ नौकरी मिल जाने से ही कामयाबी का रास्ता नहीं खुलता। कामयाबी आपकी मेहनत और काम के प्रदर्शन पर निर्भर करती है। नौकरी पाने के बाद एक फ्रेशर को क्या करना चाहिए, बता रहे हैं

● जय कुमार सिंह

शुरुआत से ही पेशेवर हो आपका नजरिया

एंट्रेंस एग्जाम और इंटरव्यू में सफल होकर आपने मनपसंद नौकरी हासिल कर ली। अब अपने हुनर और कौशल को प्रदर्शित करने की बारी है। दरअसल पहली नौकरी एक ऐसा आधार है, जो करियर की नींव रखती है। साथ ही यह जीवन का एक नया फेज है, जिसमें आप छात्र जीवन से निकल कर पेशेवर दुनिया में कदम रखते हैं। इस बदलाव के समय में जरूरी है कि आप सजग, सहज और सबल रहें। आइये जानते हैं नौकरी मिल जाने के बाद ऑफिस में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

पहला इम्प्रेशन हो अच्छा

'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' ये कहावत तो आपने सुनी होगी। यह बात सौ फीसदी सच है। नौकरी के शुरुआती दिनों में आपकी जैसी छवि बनती है, उसी के आधार पर लोग आपके काम का आकलन करते हैं। हालांकि अपनी छवि को बदला भी जा सकता है, लेकिन तब इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए आप हर तरह से अच्छे और मेहनती होने का परिचय दें। आपके हाव-भाव और पहनावे से एक पेशेवर की झलक आनी चाहिए।

समय के हों पाबंद

सबसे अहम है समय की पाबंदी। इस बात का खास ध्यान रखें कि आप ऑफिस कभी देरी से न पहुंचें। नौकरी ज्वाइन करने के बाद नये कर्मचारियों पर एचआर और बॉस की विशेष नजर रहती है, इसलिए इस बात का ध्यान रहे कि ऑफिस पहुंचने में देर न हो। भले ही तय समय से कुछ पहले ऑफिस पहुंच जाएं। कॉलेज में पहला पीरियड निकल जाने के बाद पहुंचना चल जाता था, लेकिन ऑफिस में यह रवैया नहीं चल सकता।

माहौल के हिसाब से रहें

हर ऑफिस का अपना अलग अंदाज और माहौल होता है, अलग संस्कृति होती है। नौकरी मिलने के बाद सबसे पहले आप अपने ऑफिस के तौर-तरीके सीखें। वहां के माहौल का अध्ययन करें और उसके अनुसार ही अपना व्यवहार रखें। दूसरों के काम में ताक-झांक न करें और अपने काम से मतलब रखें।

प्रोफेशनल हो नजरिया

आपको इस बात का अंदाजा होगा कि करियर में सफलता के लिए प्रोफेशनल नजरिया रखना कितना जरूरी है। लेकिन प्रोफेशनलिज्म का मतलब होता क्या है? शायद ही कोई शिक्षण संस्थान प्रोफेशनलिज्म सिखाता है। यह आपको खुद सीखना होगा। दूसरों को देख कर, उनके संपर्क में आकर। प्रोफेशनल नजरिया रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी संस्था के सांस्कृतिक मानदंडों को समझें और उनका अनुसरण करें। अपने सहकर्मियों के साथ विनम्रता से पेश आएं। जिन्हें नहीं पसंद करते, उनके साथ भी विनम्र रहें। आपके साथ अच्छा व्यवहार न करने वाले लोगों के साथ भी विनम्रता से ही पेश आएं। इससे आप कहीं ज्यादा पेशेवर दिखेंगे।

प्रोफेशनल नजरिया रखने के लिए यह भी जरूरी है कि आप काम को गंभीरता से लें। यदि कोई गलती हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी लें। समय पर काम पूरा करके देने की कोशिश करें, लेकिन यदि पूरा न कर पाएं तो उसकी जानकारी समय रहते जरूर दें।

काम समझें

आप अपना काम जिम्मेदारी के साथ और प्रोफेशनली करें, इसके लिए जरूरी है कि आपको अपने काम की समझ हो। कई बार उत्साह में फ्रेशर्स कुछ का कुछ कर बैठते हैं, इसलिए पहले अपने बॉस के साथ बैठ कर अपना काम अच्छी तरह समझ लें। कहीं शंका हो तो उसे भी दूर करें। यदि कुछ नया करना चाहते हैं तो अपने आइडियाज बॉस के साथ शेयर करें। कहीं ऐसा न हो कि उत्साह में आकर आप दूसरों के काम भी अपने हाथ में ले लें और टीम का माहौल खराब हो जाए। नई नौकरी में इसकी संभावना ज्यादा रहती है, इसलिए उनसे जानें कि आपकी जिम्मेदारियां क्या हैं।

रहें एचआर के संपर्क में

नौकरी ज्वाइन करने के एक महीने बाद तक कुछ कागजी प्रक्रियाएं और फॉर्म भरने का काम चलता रहता है। इसके लिए सजग रहें और अपने सभी जरूरी दस्तावेजों की कॉपी अपने पास रखें। इस बात का भी ध्यान रखें कि आपकी उपस्थिति लग रही है या नहीं। यदि आपके लिए अब तक उपस्थिति लगाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है तो एचआर से इस बारे में बात कर लें, ताकि वेतन में कटौती न हो।

कम लें छुट्टियां

कॉलेज में आपने खूब क्लास बंक की होंगी, पर अब आपको अपनी यह आदत बदलनी होगी। बॉस और एचआर ऐसे कर्मियों को बिल्कुल पसंद नहीं करते, जो बार-बार छुट्टियां लेते हैं। इस तरह आप उनकी गुड-बुक में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। इसलिए जब तक जरूरी न हो, अतिरिक्त छुट्टियां न लें।

गॉसिप का हिस्सा न बनें

नौकरी मिलने के बाद ऑफिस में आपके नये दोस्त भी बनेंगे। नये दोस्त आपको अपने साथ गॉसिप का हिस्सा भी बनाने की कोशिश करेंगे। ऐसे में बेहतर यह होगा कि आप एक प्रोफेशनल डेकोरम का पालन करें। उनकी बातें सिर्फ सुनें, कोई प्रतिक्रिया न दें। सहज रहें और कहें कि आपको इस बारे में कोई जानकारी नहीं। यदि आपको लगता है कि इसके बारे में मैनेजर को बताना चाहिए तो जरूर बताएं, लेकिन उस व्यक्ति का नाम न बताएं। साथ ही ऑफिस के दोस्तों के बीच कभी पर्सनल बातें न करें।

फीडबैक लें

फीडबैक लेना आपके काम का ही हिस्सा है। आज के समय में तो यह एचआर सिस्टम का हिस्सा बन चुका है। आपके काम का आकलन कर आपका रिपोर्टिंग मैनेजर अच्छी बातों के साथ नकारात्मक टिप्पणी भी करता है। नकारात्मक फीडबैक आपके अनदेखे अंधेरे पक्षों को उजागर करता है। यदि संभव हो तो आगे बढ़ कर अपने वरिष्ठ अधिकारी से कुछ खास बिंदुओं को स्पष्ट करने के लिए कहें, ताकि वे आपसे क्या चाहते हैं, इसे आप स्पष्ट तरीके से समझ सकें। इससे आपको उस मोर्चे पर सुधार करने में मदद मिलेगी।

न दिखाएं जल्दबाजी

हो सकता है कि आपके दफ्तर का समय शाम 5 बजे खत्म हो जाता हो, लेकिन यदि अतिरिक्त आधे घंटे रुकने से जरूरी अधूरा काम पूरा हो जाता है तो आप ऑफिस टाइम के बाद भी थोड़ी देर जरूर रुकें। इसका मतलब यह नहीं कि आप अपनी व्यक्तिगत जिंदगी के प्रति संवेदनशील न रहें, लेकिन ऑफिस का काम सिर्फ इसलिए अधूरा न छोड़ें, क्योंकि आपके घर जाने का समय हो गया है।

सकारात्मक हो व्यवहार

व्यक्ति का आचार, विचार व व्यवहार उसके व्यक्तित्व को दर्शाता है। नौकरी में कदम रखने वाले फ्रेशर्स के लिए तो ये विशेष गुण खास मायने रखते हैं। दरअसल ये वह गुण हैं, जो उनके करियर की दिशा व दशा तय करने में मददगार साबित होते हैं। आमतौर पर जब कोई युवा किसी कंपनी में पहली बार नौकरी या ट्रेनिंग के लिए जाता है तो वर्क प्लेस के माहौल से पूर्णतया अनभिज्ञ होता है। खुद को ऐसे माहौल में ढालना और अपने व्यवहार से सीनियर्स के दिलों तक पहुंचने की खूबी ही उनकी राह आसान करती है। वैसे यह काम मुश्किल भी नहीं है। बस इसके लिए कुछ बातें ध्यान रखना जरूरी है। जैसे-

- दफ्तर में ऊंची आवाज में बात न करें।
- अहंकार न पालें, इससे ऑफिस का माहौल नकारात्मक होता है।
- दफ्तर के समय में फोन पर कम से कम निजी बातें करें। फोन की आवाज भी धीमी रखें। फोन साइलेंट मोड पर भी रख सकते हैं।
- आपके व्यवहार में भी ऐसी खूबियां दिखनी चाहिए, जो कंपनी की ग्रोथ में मददगार हों।
- आपके हाव-भाव में यह दिखना चाहिए कि आप अच्छे श्रोता हैं।
- बॉस की बातें सुन कर उनके विचारों को अमल में लाने की कोशिश करें।
- कंपनी की बेहतरी के लिए कुछ योजनाएं हों तो वे भी शेयर करें।
- ऑफिस में काम करने वाले सभी कर्मियों का सम्मान करें, खासकर महिलाओं के साथ अपना आचरण मर्यादित रखें।
- अपने पद की गरिमा बनाए रखें।

खास खबर

विशेष बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में संवेदनशील पहल

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने नगर स्थित मानसिक रूप से विशेष बच्चों के लिए संचालित 'सार्थक स्कूल' का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों के शैक्षणिक एवं सहायक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए शिक्षकों से संवाद किया और बच्चों के दैनिक दिनचर्या, प्रशिक्षण पद्धति तथा विशेष जरूरतों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देश दिए कि विशेष बच्चों के लिए एक समुचित आवासीय हॉस्टल निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले बच्चों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित हॉस्टल का निर्माण बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए, जिसमें सुरक्षा, स्वच्छता, चिकित्सकीय सुविधा तथा मनोरंजन के समुचित प्रावधान सुनिश्चित हों। बच्चों ने कलेक्टर को ड्राइंग एवं विभिन चींजे बनाकर दिखायी। इसके साथ ही कलेक्टर ने स्कूल परिसर के समतलीकरण के कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं जीवन कौशल प्रशिक्षण भी अत्यंत आवश्यक हैं।

अंबेडकर जयंती पर ग्राम सभा में गूंजा संकल्प - बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाएंगे

बीजापुर। 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाल विवाह रोकथाम को लेकर व्यापक चर्चा की गई तथा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ग्राम सभा में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों को बताया गया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा होने के साथ-साथ कानूनन अपराध भी है। 18 वर्ष से कम आयु की लड़की एवं 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह प्रतिबंधित है और इसमें शामिल सभी लोगों पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। बैठक में अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि शासन द्वारा सामुदायिक भागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से पूरे राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं में प्रस्ताव पारित कर बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान उपस्थित सभी ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने गांव को बाल विवाह मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं, बाल विवाह की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें और समाज में जागरूकता फैलाएं। ग्राम सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथा का विरोध करेंगे और अपने पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। बाल विवाह मुक्त पंचायत का निर्माण करें और समाज को एक नई दिशा दें।

मंत्री नेताम ने डिंडो में 1154.45 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं शिलान्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत डिंडो में बुनियादी अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए मंत्री रामविचार नेताम ने कुल 1154.45 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से तीन सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

जिसमें तालकेश्वरपुर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मार्ग से कुल्लूडीह होते हुए गोंड पारा सलवाही तक 5.40 किलोमीटर, गुदाह मार्ग से ग्राम पंचायत भवन पीपर पान बस्ती तक 4.13 किलोमीटर तथा कमिश्नर नगर से मुख्य मार्ग सोमारू घर तक 1.53 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य शामिल है।

इन मार्गों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों का मुख्य मार्गों से सीधा एवं सुगम संपर्क स्थापित होगा। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के तत्वावधान में ग्राम पंचायत डिंडो में गोंड समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण, धान उपार्जन केंद्र में चबूतरा निर्माण तथा युवाओं के शारीरिक संवर्धन एवं खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु खेल मैदान के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया।

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री रामविचार नेताम ने सेवा जोहार के साथ जनसमुदाय को संबोधित करते हुए गोंडवाना समाज को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि समाज की मांग को पूरा करते हुए सामाजिक भवन के निर्माण का शिलान्यास किया गया है, जिससे सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्री नेताम ने शिक्षा को विकास की सबसे बड़ी कुंजी बताते हुए समाज के लोगों से शिक्षित और सशक्त बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब समाज शिक्षित होगा, तभी वह अपने अधिकारों और कर्तव्यों को सही मायने में समझ पाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। इसलिए सभी को संविधान की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे जागरूक होकर इन योजनाओं का लाभ उठा सकें और अपना जीवन स्तर बेहतर बना सकें।

उन्होंने कहा कि सड़कों के विस्तार सहित अन्य निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है, उन्होंने कहा की क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश की सेवा करने की जो जिम्मेदारी मिली है, उसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझाते हुए उन्होंने महुआ संग्रहण के दौरान जंगलों में आग लगाने की प्रवृति पर उन्होंने कहा कि इससे वनस्पतियों और छोटे जीव-जंतुओं का नाश होता है, जो पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक है।

प्रकृति के कण-कण में देवताओं का वास होता है, इसलिए इसे सुरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम, जनपद पंचायत अध्यक्ष मुद्रिका सिंह सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, समाज प्रमुख बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बाबा साहेब की जयंती पर विजयनगर को मिली विकास की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलरामपुर जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत विजयनगर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

उन्होंने ग्रामवासियों को विकास की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाली डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। मंत्री नेताम ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ केक काटकर जयंती की खुशियां साझा कीं।

जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन शोषितों, वंचितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। हमारा देश सामाजिक, जातीय और धार्मिक विविधताओं से परिपूर्ण है, लेकिन बाबा साहेब द्वारा निर्मित सशक्त संविधान आज भी देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए हुए है। संविधान की सर्वोच्चता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसी के तहत देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार सुनिश्चित किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक समय था जब ग्रामीण अंचलों में सड़क, बिजली और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता था। किंतु वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नीतियों एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है और शासन के सतत प्रयासों से विकास की रोशनी समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है।

क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के प्रति शासन की प्रतिबद्धता जताते हुए मंत्री श्री नेताम ने आगे कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए क्षेत्र में दुग्ध संग्रहण केंद्र स्थापित करने की व्यापक कार्ययोजना बनाई जा रही है। इससे किसानों को उनके दुग्ध उत्पादन का उचित मूल्य मिल सकेगा और विविध खेती की ओर भी अग्रसर होंगे। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना तथा बलरामपुर जिला मुख्यालय में पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास की आगामी कार्ययोजना के बारे में भी जानकारी दी, जिससे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे।

मंत्री रामविचार नेताम ने अपनी सादगी का परिचय देते हुए उपस्थित जनसमुदाय और विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ जमीन पर बैठकर सामाजिक समरसता भोज ग्रहण किया। मंत्री श्री नेताम की इस आत्मीय पहल ने समाज में ऊंच-नीच और भेदभाव की दूरियों को मिटाते हुए समानता, आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बद्री नाथ, अनुविभागीय अधिकारी आनंद राम नेताम, जनपद सीईओ रणवीर साय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिक सेवा सच्चिदानंद कांत,स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ नागरिक, समाज प्रमुख और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विकास कार्यों में तेजी और गुणवत्ता पर कलेक्टर का जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने धमतरी शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का सघन निरीक्षण कर उनकी प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। कलेक्टर मिश्रा ने सर्वप्रथम जिला मुख्यालय के समीप प्रस्तावित फूड पार्क स्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फूड पार्क हेतु आरक्षित भूमि का सीमांकन शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा भूमि संबंधी विवादों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्माण कार्य बिना विलंब के प्रारंभ हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि फूड पार्क जिले के आर्थिक विकास, स्थानीय उत्पादों के प्रसंस्करण एवं रोजगार सृजन के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है, अतः इसकी प्रगति में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। इस अवसर पर कलेक्टर ने निर्माण स्थल पर आवश्यक आधारभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पेयजल, सड़क एवं ड्रेनेज व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने की बात कही, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनी रहे। गजेन्द्र ठाकुर , एसडीएम पीयूष तिवारी, आयुक्त नगर निगम प्रिया श्रीवास्त सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे । क्षेत्र के ग्रामीणों से भी संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है तथा विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

रजनी उइके बनीं लखपति दीदी

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अंचलों की महिलाएं अब केवल घरेलू दायित्वों तक सीमित न रहकर स्वरोजगार की दिशा में अग्रसर हो रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बतारी की निवासी रजनी उइके की सफलता की कहानी इसी परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। श्रीमती रजनी उइके ने स्नातक (बी.ए.) तक की शिक्षा प्राप्त की है। बल्कि अपने दम पर कुछ नया करने का संकल्प उनके मन में था।

मुख्यमंत्री साय करेंगे 515 नई पैक्स समितियों का वर्चुअल शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सहकारिता को नई दिशा देने और किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग द्वारा 515 नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का गठन किया गया है। इन समितियों का वर्चुअल शुभारंभ कल 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर से किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि सहकारिता मंत्री केदार कश्यप कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना के स्वागत उद्बोधन से होगा एवं अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप प्रदेश में सहकारिता विस्तार की रूपरेखा एवं उसके लाभों पर प्रकाश डालेंगे। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि नई पैक्स समितियों के गठन से किसानों को ऋण, खाद, बीज तथा अन्य कृषि सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इससे हमारे अन्नदाता किसानों को अब दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व संसाधनों की बचत भी होगी। साथ ही किसानों को शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल से शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा तथा उनका लाभ सीधे ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और गांवों के समग्र विकास को गति मिलेगी। सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार की यह पहल छत्तीसगढ़ में सहकारिता तंत्र को सुदृढ़ करते हुए आत्मनिर्भर ग्रामीण-अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने उद्बोधन में राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों और सहकारिता आधारित विकास मॉडल को रेखांकित करेंगे। छत्तीसगढ़ के सहकारी जनप्रतिनिधिगण, अपेक्स बैंक, जिला उप पंजीयक तथा सहायक पंजीयक, अपेक्स बैंक व जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के अधिकारीगण वर्चुअल रूप से सीधे शुभारंभ कार्यक्रम से जुड़ेंगे।

टीबी मुक्त सूरजपुर की ओर बढ़ते कदम, वनांचल तक पहुंची स्वास्थ्य सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टीबी हारेगा, सूरजपुर जीतेगा अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि जिले का सामूहिक संकल्प बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में सूरजपुर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने 24 मार्च 2026, विश्व टीबी दिवस के अवसर पर 100 दिवसीय गहन टीबी उन्मूलन अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है। यह चरण पहले चरण की उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए और अधिक प्रभावी रणनीति के साथ संचालित किया जा रहा है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब खदान प्रभावित क्षेत्रों, झुग्गी बस्तियों, सुदूर जनजातीय गांवों, प्रवासी मजदूरों के ठिकानों और छात्रावासों तक पहुंचकर घर-घर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चला रही हैं। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तैयार माइक्रो प्लान के माध्यम से प्रत्येक संभावित मरीज तक पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने के लक्ष्य के साथ जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है।

टीबी उन्मूलन में पोषण की अहम भूमिका को ध्यान में रखते हुए निश्चय पोषण योजना के तहत प्रत्येक मरीज को उपचार अवधि में 6,000 रुपये तक की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में दी जा रही है, ताकि उपचार के दौरान पोषण संबंधी कमी न हो। इस अभियान की खास बात समाज की सक्रिय भागीदारी है। जिले में 113 निश्चय मित्र टीबी मरीजों की सहायता में जुटे हैं। विभिन्न संस्थाओं और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत 211 मरीजों को अतिरिक्त पोषण सहायता दी जा रही है। वहीं 89 निश्चय मित्रों द्वारा 144 मरीजों को गोद लेकर उनकी देखभाल की जा रही है। इसके अलावा माय भारत वॉलंटियर और एनएसएस के युवाओं द्वारा भी मरीजों को सामाजिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

दिसंबर 2024 में प्रारंभ हुए अभियान के पहले चरण में 1.84 लाख से अधिक संवेदनशील व्यक्तियों की पहचान की गई। इनमें से 30,952 लोगों की एक्स-रे जांच की गई, जिसमें 1,256 मामलों में असामान्यता मिलने पर मॉलिक्यूलर टेस्ट कराया गया। साथ ही 9,127 लक्षणयुक्त व्यक्तियों की सीधे जांच की गई, जिससे 627 नए मरीजों की पहचान कर उनका उपचार प्रारंभ किया गया।

जिला प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र और समाज की साझी भागीदारी से सूरजपुर टीबी मुक्त जिले की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। समय पर जांच और उपचार से टीबी पूरी तरह ठीक होने वाली बीमारी है, इसलिए लापरवाही से बचते हुए जागरूक रहना आवश्क है।

एनआईटी रायपुर में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर में आज भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) डॉ. मनोज चोपकर सहित वरिष्ठ संकाय सदस्यों, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने संविधान निर्माता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि डॉ. एन. वी. रमना राव ने सभा को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर के अप्रतिम योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक है। डॉ. राव ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे डॉ. अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर हर क्षेत्र में संवैधानिक मूल्यों को अपनाएं। उन्होंने बाबासाहेब को एक महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और विधिवेत्ता बताते हुए कहा कि वह न केवल वंचितों की मुखर आवाज थे, बल्कि महिला सशक्तीकरण और शिक्षा के प्रबल पक्षधर भी थे। उनके ज्ञान के प्रति अटूट लगाव का उल्लेख करते हुए निदेशक ने बताया कि डॉ. अंबेडकर का निजी पुस्तकालय उनकी ज्ञान साधना का जीवंत प्रमाण था।

समारोह के दौरान भारतीय फिल्म प्रभाग द्वारा निर्मित एक विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्षों, अस्पृश्यता के विरुद्ध उनकी लड़ाई और अल्पसंख्यक अधिकारों के संरक्षण हेतु किए गए कार्यों को सजीव रूप में दर्शाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। क्विज़ प्रतियोगिता में अभिजीत कुमार एवं स्वरा ने बाजी मारी, जबकि वाद-विवाद प्रतियोगिता में कौशिक और जागृति सिंह विजयी रहे। पत्र लेखन प्रतियोगिता में शुभम चंद्र और जागृति सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. संजय कुमार, डॉ. एस. एन. राव, डॉ. पवन कुमार मिश्रा, डॉ. मीना मुर्मू और डॉ. गोवर्धन भट्ट सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के संकाय प्रभारी डॉ. तीरथ प्रसाद साहू एवं डॉ. नितेश कुमार भारद्वाज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्रहलन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AAJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनों में 5 लोग घायल

कोरबा। पहली घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई। यहां बीती रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जा रहा है कि कार में सवार दो युवक शराब के नशे में थे। कार ने पहले एक खड़ी गाड़ी को टक्कर मारी, फिर एक ठेले को चपेट में लेते हुए सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। दूसरे युवक को चोट आई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार को जब्त कर मामला दर्ज किया। दूसरी घटना कुमुण्डा थाना क्षेत्र के कुचेना मुख्य मार्ग पर हुई। यहां एक थार और कार के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

मुंगेली-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर भीषण हादसाः कार-बाइक टक्कर में 3 दोस्तों की मौत

मुंगेली-बिलासपुर। नेशनल हाईवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार और खराब सड़क ने तीन जिंदगियां छीन लीं। जिला पंचायत धरमपुरा के पास एक अनियंत्रित कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जरहागांव से भटगांव की ओर जा रहे तीन युवक बाइक पर सवार थे। हादसे में भटगांव निवासी राधेश्याम निर्मलकर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आर्यन निर्मलकर और शुभम निर्मलकर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जरहागांव थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह घटना 13 अप्रैल की है, जिसमें एक युवक भटगांव निवासी राधेश्याम निर्मलकर की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि दो अन्य जरहागांव निवासी आर्यन निर्मलकर और बिलासपुर निवासी शुभम निर्मलकर की मौत आज उपचार के दौरान हुई. उनका आरोप है कि निर्माणाधीन टोल नाके के पास सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे हादसों की मुख्य वजह हैं।

स्काई मेन्स वियर का छप्पर तोड़कर नगदी समेत हजारों का सामान पार

कोरबा। जिले के कोयलांचल कुसमुंडा में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। जहां चोर लगातार सक्रियता दिखाते हुए एक के बाद एक चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और सुस्त पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। चोरों का मुख्य निशाना दुकान व व्यापारिक प्रतिष्ठान होता है, जिससे व्यवसायियों में भय व आक्रोश का माहौल है। बीती रात चोरों ने पुन: पुलिस को चुनौती देते हुए कुसमुंडा थानांतर्गत इमलीछापर चैक पर स्थित स्काई मेन्स वियर नामक दुकान का छप्पर तोड़ा और उसके भीतर प्रवेश कर कपड़ा, जूता व नगदी रकम को पार कर दिया।

मैट्रिमोनियल साइट के जरिए 7693 लोगों से 1.11 करोड़ ठगे रजिस्ट्रेशन-मीटिंग फीस के बहाने रकम वसूली, 26 अरेस्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में फर्जी मैट्रिमोनियल साइट के जरिए 7693 लोगों से 1.11 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। लोक सेवा केंद्र की आड़ में फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने 2 संचालक समेत 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जांच में सामने आया कि गिरोह यूट्यूब चैनल, फर्जी प्रोफाइल और कॉल सेंटर के जरिए देशभर के लोगों को शादी के नाम पर फंसाता था। रजिस्ट्रेशन फीस, मीटिंग फीस जैसे बहानों से यूपीआई के जरिए रकम वसूली जाती थी, लेकिन बाद में उन्हें कोई जानकारी या साथी नहीं दिखाया जाता था।

दरअसल, दरोगा पारा क्षेत्र में लोक सेवा केंद्र 'निधि परिवहन सुविधा केंद्र' चलाया जा रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां साइबर फ्रॉड किया जा रहा है।

इसी सूचना पर सोमवार दोपहर पुलिस और साइबर टीम ने छापा मारा। मौके पर कई लड़कियां काम करती हुई मिलीं। जांच में सामने आया कि केंद्र में बाहर से लाइसेंस और दस्तावेज बनाने का काम दिखाया जाता था, जबकि अंदर अलग-अलग कमरों में फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते थे। वहीं वीडियो एडिटिंग और कॉल सेंटर भी संचालित किया जा रहा था, जहां युवतियों के माध्यम से लोगों को शादी के नाम पर फंसाकर उनसे पैसे वसूले जाते थे। सभी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किय गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सभी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किय गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

गिरोह फर्जी जीमेल आईडी, मोबाइल नंबर और यूट्यूब चैनलों के जरिए नकली प्रोफाइल बनाकर लोगों से संपर्क करता था। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फीस, मीटिंग फीस और अन्य बहानों से यूपीआई के माध्यम से रकम वसूली जाती थी।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी कपिल गर्ग पहले लोक सेवा केंद्र के जरिए आरटीओ से जुड़ा काम करता था। आईडी निरस्त होने के बाद उसने यह फर्जी नेटवर्क खड़ा किया। उसके साथ हिमांशु मेहर और अन्य सहयोगी लंबे समय से इस अवैध गतिविधि को चला रहे थे। मौके से पुलिस को लैपटॉप में फोटोशॉप के जरिए दस्तावेजों में छेड़छाड़ के साक्ष्य मिले। साथ ही अलग-अलग सरकारी विभागों के फर्जी सील और मुहर भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि साल 2022 से अब तक 7,693 लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया। करीब 1 करोड़ 11 लाख 36 हजार रुपए की अवैध वसूली की गई। कार्रवाई में 55 मोबाइल, 13 लैपटॉप, 2 प्रिंटर और 3 बैंक खाते जब्त किए गए है। इस मामले में पुलिस ने कपिल गर्ग, हिमांशु मेहर समेत 26 आरोपियों के खिलाफ धारा 319(2), 336(3), 336(4), 338, 340(2), 61(2), 112(2), 316(2) 318(4) BNS और आईटी एक्ट की धारा 66C, 66D के तहत केस दर्ज किया।

सभी को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अंतिम नोटिस के बाद भी बकाया अदा नहीं करने पर सम्बंधित 08 व्यवसायिक परिसरों को तत्काल किया सीलबंद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं नगर निगम जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र ठाकुर, खगेंद्र सोनी, राम कुमार औसर की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र अंतर्गत 8 बडे बकायादारों द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने पर अभियान चलाकर संबंधित 8 बड़े बकायादारो के 8 व्यवसायिक परिसरो को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कडी कार्यवाही की गयी है। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल एवं सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल ने बताया कि आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 अंतर्गत 91572 रू. के बकायेदार रामपाल लहरी, 91572 रू. के बकायेदार सुकलहीन लहरी , 205000 रू. के बकायेदार मो. अब्दुल कलाम, 400389 रू. के बकायेदार बलविंदर सिंह , 77859 रू. के बकायेदार ओमप्रकाश तिवारी , 205879 रू. के बकायादार अंकित साव और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र में 507539 रू.के बकायादार निखिल ट्रेडर्स और 836874 रू. के बकायादार संतोषी देवी/ रामनिवास के संबंधित व्यवसायिक परिसर में तत्काल ताला लगाकर सीलबंदी की कार्यवाही बकाया राशि रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग को अदा नहीं करने पर स्थल पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन में की गयी है।

हदें पार कर घर पहुंचा दरिंदा, धमकी और जबरदस्ती, अब सलाखों के पीछे

राजनांदगांव। जिले के थाना घुमका क्षेत्र में एक सनसनीखेज छेड़छाड़ और जबरदस्ती का मामला सामने आया जहां एक युवक ने हदें पार करते हुए पीड़िता का पीछा कर उसके घर तक पहुंचकर जबरदस्ती करने की कोशिश की लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने आरोपी को आखिरकार सलाखों के पीछे पहुंचा दिया, घटना 30 मार्च 2026 की है जब पीड़िता अपने घर में मौजूद थी तभी आरोपी अजय दास मानिकपुरी, उम्र 23 वर्ष, निवासी भठली थाना साल्हेवारा जिला केसीजी, उसका पीछा करते हुए घर के बाहर पहुंच गया और चल मेरे साथ कहकर जबरदस्ती करने लगा, विरोध करने पर आरोपी ने गंदी-गंदी गालियां दीं, पीड़िता के हाथ और बांह पकड़कर जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और मना करने पर जान से मारने की धमकी तक दे डाली, डरी-सहमी पीड़िता ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई और अगले ही दिन 31 मार्च को अपनी मां के साथ थाना घुमका पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई, मामला महिला से जुड़ा और गंभीर होने के कारण तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर और एसडीओपी डोंगरगांव श्रीमती मंजूलता बाज के निर्देशन में थाना घुमका पुलिस ने तेजी से आरोपी की तलाश शुरू की, मुखबिर और पतासाजी के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम भठली में दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया, पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसके बाद 14 अप्रैल 2026 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया।

खाद विक्रय में अनियमितता बरतने वाले दो दुकानों को कारण बताओं नोटिस

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। खरीफ विपणन वर्ष 01 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है। अब तक खरीफ उर्वरक का लक्ष्य 26675 मे.टन के विरूद्ध में जिले में अबतक 11306 मे.टन का उर्वरक भण्डारण कर 149 मे. टन खाद का वितरण किया जा चुका है।

कृषि विभाग के टीम द्वारा विगत दिवस 14 अप्रैल को पत्थलगांव विकास खण्ड के कोतबा, बागबहार के उर्वरक दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें से दो दुकान बन्टी जनरल स्टोर बागबहार एवं शर्मा कृषि सेवा केन्द्र कोतबा के दुकानों में विक्रय दर का प्रदर्शन, स्टॉक रजिस्टर का संधारण नहीं होना, किसानों को खाद विक्रय का रजिस्टर संधारण नहीं होना, किसानों को बिल व पावती रसीद नहीं दिया जाना आदि अनियमितता पाये जाने के कारण उक्त दोनों संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। तीन दिवस के भीतर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर उर्वरक अधिनियम के तहत् वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। इसी प्रकार कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के टीम के द्वारा निरंतर निरीक्षण कर कमी पाये जाने पर किसी भी स्तर के दुकानदार को एक तरफा कार्यवाही की जावेगी। साथ ही किसान भाई को भी आपके द्वारा निजी दुकान से उर्वरक एवं अन्य आदान सामग्री क्रय की जाती है, तो शासकीय दर पर ही क्रय करे एवं खरीदी कर रसीद अवश्य प्राप्त करें।

तेज रफ्तार 407 की टक्कर से एसईसीएल कर्मचारी की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। दोपहर कटघोरा-ढेलवाडीह बाईपास मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार 407 वाहन ने बुलेट सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान 29 वर्षीय आशुतोष कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो एसईसीएल सुराकछार खदान में माइनिंग सरदार के पद पर कार्यरत थे।

जानकारी के अनुसार, आशुतोष ड्यूटी के बाद बुलेट से घर लौट रहे थे। इसी दौरान ढेलवाडीह बाईपास पर सामने से आ रही 407 मिनी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। हादसे में आशुतोष सड़क पर दूर जा गिरे और उनके सिर व सीने में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद राहगीरों और पुलिस की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। हालांकि उनकी हालत बेहद नाजुक थी और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। एसईसीएल के अधिकारी और सहकर्मी भी अस्पताल पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते नजर आए।

पुलिस की कार्रवाई और जांच कटघोरा पुलिस ने दुर्घटनाकारित 407 वाहन को जब्त कर लिया है और चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है। पुलिस द्वारा चालक से पूछताछ की जा रही है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसके बाद उसे परिजनों को सौंपा जाएगा।

स्थानीय लोगों में आक्रोश, सुरक्षा व्यवस्था की मांग: घटना के बाद बाईपास मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई, जिसे पुलिस ने नियंत्रित किया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बढ़ते सड़क हादसों पर गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि भारी वाहनों की तेज रफ्तार और सड़क किनारे संकेतकों की कमी दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। लोगों ने प्रशासन से बाईपास पर स्पीड ब्रेकर लगाने, चेतावनी संकेतक स्थापित करने और यातायात पुलिस की नियमित तैनाती की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों पर रोक लगाई जा सके।

बिना अनुज्ञापन संचालित क्लीनिकों पर होगी सख्त कार्रवाईः कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर । कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापना अनुज्ञापन अधिनियम, 2010 के अंतर्गत पंजीकृत समस्त निजी चिकित्सालयों के संचालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला परिवार एवं कल्याण अधिकारी सह नोडल अधिकारी (नर्सिंग होम एक्ट), नोडल अधिकारी (पी.सी.पी.एन.डी.टी.), जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला परियोजना समन्वयक (आयुष्मान भारत), अस्पताल प्रबंधक सहित जिले के सभी पंजीकृत निजी चिकित्सालयों के संचालक उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत सभी गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, आवश्यक जांच एवं दवाइयों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना है। बैठक में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की विशेष पहचान कर उनकी समय पर सोनोग्राफी कराने तथा प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को योजना के अंतर्गत नि:शुल्क सेवाएं प्रदान करने के लिए निजी चिकित्सालयों को निर्देशित किया गया। साथ ही योजना की मासिक रिपोर्ट संस्था-वार प्रस्तुत करने एवं प्रत्येक संस्था को विकासखंडवार मैप कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कलेक्टर ने नर्सिंग होम एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत सभी निजी चिकित्सालयों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत सभी मानकों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए कहा गया। साथ ही कहा कि निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।कलेक्टर श्री व्यास ने बिना अनुज्ञापन संचालित हो रहे क्लीनिकों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

साथ ही अवैध रूप से संचालित मेडिकल संस्थानों की सूची खंड चिकित्सा अधिकारियों के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक माह की 5 तारीख तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश बैठक में दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार, पारदर्शिता एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

रामानुजगंज में हाथियों का उत्पात

बलरामपुर। रामानुजगंज में जंगली हाथियों का उत्पात जारी है। बुधवार तड़के तीन हाथियों के एक दल ने नगर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित एक फार्म हाउस में घुसकर भारी नुकसान पहुंचाया। हाथियों ने करीब तीन एकड़ में रखी गेहूं की तैयार फसल को रौंदकर नष्ट कर दिया, जिससे किसान को नुकसान हुआ है। यह घटना बुधवार सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुई। खेत में कटाई के बाद लगभग 25 से 30 क्विंटल गेहूं थ्रेसिंग के लिए रखा गया था। मजदूरों की कमी के कारण थ्रेसिंग का कार्य लंबित था। इसी दौरान जंगल से आए तीन हाथियों ने खेत की फेंसिंग पार कर प्रवेश किया और गेहूं को खाकर व रौंदकर बर्बाद कर दिया। हाथियों ने फार्म हाउस में लगे केले के पौधों को भी नुकसान पहुंचाया।

प्रमुख खबरें

प्रेस क्लब खेल मड़ई में टीकम ने जीता शतरंज का खिताब

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ई-2 (इंडोर गेम) के तहत आयोजित स्व. योगेश यदु स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच और उच्च स्तरीय खेल का शानदार उदाहरण बना। मंगलवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में टीकम वर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शिवम दुबे को पराजित कर खिताब पर कब्जा किया। मुकाबले के दौरान प्रेस क्लब सदस्यों में खासा उत्साह रहा। मैच के निर्णायक विजय मिश्रा, शंकर चंद्राकर व विनय घाटगे रहे। मैच के दौरान प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, सुखनंदन बंजारे, संजय वर्मा, विनोद कुमार, पंकज चौहान समेत बड़ी संख्या में प्रेस क्लब सदस्य मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती पर बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने का संकल्प

बीजापुर। 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाल विवाह रोकथाम को लेकर व्यापक चर्चा की गई तथा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ग्राम सभा में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों को बताया गया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा होने के साथ-साथ कानूनन अपराध भी है। 18 वर्ष से कम आयु की लड़की एवं 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह प्रतिबंधित है और इसमें शामिल सभी लोगों पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

संपूर्णता अभियान 2.0 अंतर्गत दक्षिण भारतीय नाश्ता आयोजन

कोंडागांव। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत, पूर्व में राज्य नीति आयोग की संयुक्त संचालक डॉ. भावना दीक्षित द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास के भ्रमण के दौरान बच्चों के पोषण में विविधता लाने हेतु एक दिन दक्षिण भारतीय नाश्ता प्रदान करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देश के परिपालन में मंगलवार को नीति आयोग कंसल्टेंट संतोष कुमार सितारे की अध्यक्षता में कोंडागांव स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में बच्चों को नाश्ते में दक्षिण भारतीय व्यंजन प्रदान किया गया।

बिहान कैंटीन' के व्यंजनों से महका जगदलपुर जनपद परिसर, आम से लेकर खास तक सभी हैं इसके मुरीद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले के जनपद पंचायत जगदलपुर में इन दिनों 'बिहान कैंटीन' महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की एक नई इबारत लिख रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत स्थापित इस कैंटीन की कमान ग्राम पंडरीपानी-1 के श्री साईं महिला स्व सहायता समूह की पांच महिलाओं ने संभाल रखी है।

श्रीमती सुमिता पटनायक (अध्यक्ष) और रीता पंडा (सचिव) के कुशल नेतृत्व में यह कैंटीन केवल दो माह के भीतर ही क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रही है। जनपद परिसर में स्थित इस कैंटीन

का औपचारिक शुभारंभ 25 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत जगदलपुर के अध्यक्ष पदलाम नाग के कर-कमलों द्वारा किया गया था।

स्वाद और गुणवत्ता के अनूठे संगम के कारण यह स्थान आज न केवल आम जनता, बल्कि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की भी पहली पसंद बन गया है। यहाँ स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ दक्षिण भारतीय व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है। कैंटीन की बढ़ती मांग का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब जनपद और जिला कार्यालयों में होने वाली बैठकों के लिए भी चाय, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था यही समूह कर रहा है।

रायपुर कलेक्ट्रेट परिसर में डॉ अम्बेडकर की 21 फीट की प्रतिमा का अनावरण

समाज में न्याय और समानता की प्रेरणा देता रहेगा बाबा साहेब का जीवन : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को राजधानी रायपुर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सामने स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर चौक में उनकी 21 फीट ऊंची पंचधातु से निर्मित भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के नेतृत्व और उनके द्वारा निर्मित भारतीय संविधान ने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उनके विचार आज भी समाज को न्याय और समानता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति की मांग पर मंगल भवन, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान किया है। इसी कारण आज समाज के सभी वर्गों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी कोलंबिया विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि आज देश के प्रत्येक कोने में बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो उनके प्रति लोगों के अटूट सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक हैं। रायपुर सहित पूरे प्रदेश में उनकी जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है, जिससे नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति वहां की महिलाओं की स्थिति से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य के साथ छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें बाबा साहेब के आदर्श मार्गदर्शक हैं। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण सिंह देव, महापौर नगर पालिक निगम रायपुर मीनल चौबे, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

समरसता भोज में शामिल हुए साय, अपने हाथों से परोसा भी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के शंकरनगर स्थित दुर्गा मैदान में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री साय ने जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ बैठकर भोजन किया तथा स्वयं लोगों को भोजन परोसकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संविधान का निर्माण करने का गौरव बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को प्राप्त है। यह संविधान देश के 140 करोड़ नागरिकों को समानता, अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने का आधार देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ संकल्प और अदम्य इच्छाशक्ति से उच्चतम स्थान प्राप्त किया और वंचित, शोषित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने नारी शिक्षा और सम्मान के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के जन्म, शिक्षा, दीक्षा, कार्य और समाधि स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित कर उन्हें सच्चा और स्थायी सम्मान दिया जा रहा है।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समरसता का प्रेरक उदाहरण है। उनके विचार आज भी समाज को समानता और न्याय की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। समरसता भोज सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने की मजबूत व्यवस्था दी।

समरसता भोज कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बड़ेकाकलेड में योजनाओं की संतृप्ति शिविर आयोजित

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशानुसार नियद नेल्लानार ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में नियमित अंतराल पर संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड भोपालपटनम अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ेकाकलेड में दिनांक 13 अप्रैल.2026 को शिविर आयोजित किया गया, जिसमें पंचायत के सभी आश्रित ग्रामों के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर के दौरान मौके पर ही 31 जॉब कार्ड का वितरण किया गया। साथ ही जन्म प्रमाण पत्र, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, बैंक खाता खोलने सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के लिए आवेदन फॉर्म भरे गए, जिससे ग्रामीणों को त्वरित लाभ मिल सका। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग भी की गई। बस सेवा प्रारंभ करने, विद्युत विस्तार एवं सुचारू आपूर्ति, जियो मोबाइल टावर की मांगें भी सामने आईं।

हथियार नहीं हुनर से बदल रही पुनर्वासितों की जिंदगी, इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में दिया जा रहा प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन की पुनर्वास नीति से कोण्डागांव के पुनर्वासित व्यक्तियों की जिंदगी को नई दिशा मिल रही है। कभी हिंसा के रास्ते पर भटके युवा अब मुख्यधारा में लौटकर कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इसी क्रम में ग्राम कुधुर के तुलसी राम, रजमन एवं गोबरू वर्तमान में जिले में संचालित पुनर्वास केन्द्र में रहकर लाइवलीहुड कॉलेज के माध्यम से इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। तुलसी राम कश्यप ने बताया कि पूर्व में क्षेत्र में भय और असुरक्षा के माहौल के कारण वे संगठन से जुड़ गए थे, किन्तु राज्य शासन की पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उन्होंने पुनर्वास कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। वर्तमान में वे पुनर्वास केन्द्र में रहकर कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि

इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में वायरिंग का दो माह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें लगभग 15 दिवस का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है। प्रशिक्षण उपरांत वे अपने क्षेत्र में ही स्वरोजगार के रूप में वायरिंग कार्य प्रारंभ करने की योजना बना रहे हैं।

इसी प्रकार रजमन एवं गोबरू ने भी पुनर्वास नीति के अंतर्गत पुनर्वास कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। वर्तमान में वे भी इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे अपने गांव में स्वरोजगार स्थापित कर आय अर्जित करेंगे एवं अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे।

तीनों युवाओं ने राज्य शासन की पुनर्वास नीति के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से उन्हें नया जीवन प्रारंभ करने का अवसर मिला है। पहले जहां भय एवं अस्थिरता का माहौल था, वहीं अब वे सुरक्षित वातावरण में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हैं। कोण्डागांव का पुनर्वास केन्द्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां पूर्व में भटके हुए युवाओं को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुन: स्थापित किया जा रहा है।

कबीरधाम जिला अस्पताल की बदली तस्वीर, पड़ोसी राज्य को भी होगा फायदा

■ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में जिला अस्पताल का उन्नयन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले का जिला अस्पताल अब केवल एक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र नहीं, बल्कि आम जनता के विश्वास और बेहतर चिकित्सा सेवाओं का मजबूत प्रतीक बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में यहां स्वास्थ्य सुविधाओं में जो उल्लेखनीय सुधार हुआ है, उसने न केवल जिले के लोगों का भरोसा बढ़ाया है, बल्कि निजी अस्पतालों के सामने भी एक सशक्त विकल्प के रूप में इसे स्थापित किया है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के सतत प्रयास, मार्गदर्शन और सक्रिय पहल से संसाधनों का विस्तार, नई मशीनों की खरीदी और व्यवस्था में सुधार हो पाया है। 2023 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग हर स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो अस्पताल की कार्यप्रणाली, संसाधनों और सेवाओं की गुणवत्ता में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाती है।

जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक ओपीडी में मरीजों की संख्या 1,19,557 रही, वहीं जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच यह संख्या बढ़कर 1,64,712 तक पहुंच गई। इसी तरह आईपीडी के आंकड़ों में भी वृद्धि देखने को मिली है। वर्ष 2023 में जहां 11,742 मरीज भर्ती हुए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 13,253 हो गई।

महिला एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी जिला अस्पताल ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2023 में जहां 3,001 प्रसव हुए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 3,925 हो गई। इससे प्रतीत होता है कि इसमें वृद्धि से अस्पताल में मातृत्व सेवाएं अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और सुविधाजनक बनी हैं।

जिला अस्पताल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक सोनोग्राफी सेवाओं में हुआ सुधार है। वर्ष 2023 में जहां केवल 874 सोनोग्राफी हुई थीं, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 7,244 तक पहुंच गई। यह लगभग आठ गुना वृद्धि है, जो न केवल उपकरणों की उपलब्धता बल्कि विशेषज्ञ डॉक्टरों और तकनीशियनों की बेहतर व्यवस्था को भी दर्शाती है। यह उपलब्धि अस्पताल के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है।

एक्स-रे सेवाओं के तहत 2023 में 9,865 एक्स-रे किए गए थे, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 13,920 हो गई। इससे स्पष्ट है कि डायग्नोस्टिक सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है। लैब टेस्ट के आंकड़े भी प्रभावशाली हैं। वर्ष 2023 में जहां 2,10,186 जांचें की गई थीं, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 3,62,113 हो गई। यह लगभग डेढ़ गुना वृद्धि है, साथ ही साथ जुलाई 25 से अब तक 1462 लोगों का सिटी स्कैन किया गया है। यह बताती है कि अस्पताल में आधुनिक जांच सुविधाएं और तेज सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में भी जिला अस्पताल ने अपनी पकड़ मजबूत की है। वर्ष 2023 की तुलना में 2025 में मोतियाबिंद के ऑपरेशन 216 अधिक किए गए। इससे यह स्पष्ट होता है कि नेत्र रोगियों को भी अब बेहतर और सुलभ उपचार मिल रहा है।

जिले के विधायक एवं राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों, उनके मार्गदर्शन और सक्रिय पहल से अस्पताल में संसाधनों का विस्तार, नई मशीनों की उपलब्धता और व्यवस्थाओं में सुधार संभव हो पाया है। उन्होंने न केवल अस्पताल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले। उनकी प्राथमिकता में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और सुधार हमेशा शीर्ष पर रहा है।

जिला अस्पताल के निष्ठावान डॉक्टरों और कर्मचारियों की मेहनत इस सफलता की कहानी का अहम हिस्सा है। संसाधनों का बेहतर उपयोग कर अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया है। डॉक्टरों की तत्परता, नर्सिंग स्टाफ की देखभाल और अन्य कर्मचारियों की कार्यकुशलता ने मिलकर अस्पताल की छवि को पूरी तरह बदल दिया है।

भविष्य की संभावनाएं

जिला अस्पताल की प्रगति सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के भरोसे, बेहतर इलाज और कर्मचारियों की मेहनत की कहानी है। ओपीडी, आईपीडी, प्रसव, सोनोग्राफी, एक्स-रे, सीटी स्कैन, लैब जांच और ऑपरेशन हर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। यह अस्पताल सिर्फ कबीरधाम जिले के लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के डिंडोरी और मंडला के लोगों के लिए भी जीवन रेखा बन गया है।

सुरक्षित मातृत्व के लिए बस्तर में 'रेड कॉल सेंटर'

■ 30 दिनों तक मां-बच्चे की होगी डिजिटल केयर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले में सुरक्षित मातृत्व की अवधारणा को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन और यूनिसेफ ने एक अत्यंत संवेदनशील और अनूठी पहल की शुरुआत की है। सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में महारानी अस्पताल में 'रेड (रिचिंग एवरी डिलिवरी) कॉल सेंटर' का विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस गौरवपूर्ण क्षण को और भी विशेष बनाते हुए कलेक्टर ने स्वयं पहल की और अस्पताल में उपस्थित एक नवजात शिशु की माता को सादर आमंत्रित कर उनके हाथों से ही इस केंद्र का उद्घाटन करवाया। यह हृदयस्पर्शी दृश्य इस

सशक्त संदेश का प्रतीक बना कि मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी समस्त सरकारी योजनाएं वास्तव में माताओं के समर्पण के लिए हैं और उनकी सक्रिय सहभागिता ही इन प्रयासों को सफल बनाएगी।

इस नई व्यवस्था के तहत संचालित हरिक मांय, हरिक पिला (खुश मां, खुश बच्चा) पहल के माध्यम से अब बस्तर की हर गर्भवती महिला तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है, जैसा कि इसके नाम 'रेड' यानी 'रिचिंग एवरी डिलिवरी' से स्पष्ट होता है। महारानी अस्पताल परिसर में स्थित इस हाई-टेक कॉल सेंटर के जरिए जिले की उन महिलाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिनकी गर्भावस्था 7 से 9 माह के बीच है और जो उच्च जोखिम की श्रेणी में आती हैं। सेंटर के प्रतिनिधि सप्ताह में एक से दो बार इन महिलाओं से सीधे फोन पर संपर्क साधेंगे, जिसका उद्देश्य उन्हें सुरक्षित एवं संस्थागत प्रसव के फायदों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों के साथ समन्वय स्थापित करने में हरसंभव सहायता प्रदान करना है।

योजना केवल प्रसव तक ही सीमित नहीं है, बल्कि प्रसव के बाद के 30 दिनों तक माँ और उसके नवजात शिशु की बारीकी से निगरानी की जाएगी। इस दौरान कॉल सेंटर के माध्यम से नियमित फॉलो-अप लिया जाएगा ताकि प्रसव पश्चात होने वाली किसी भी संभावित स्वास्थ्य संबंधी जटिलता का समय रहते पता लगाया जा सके और त्वरित चिकित्सकीय समाधान सुनिश्चित किया जा सके। स्वास्थ्य और तकनीक के इस अनूठे संगम से बस्तर प्रशासन का विजन प्रत्येक प्रसव को सुरक्षित बनाना और जिले में स्वस्थ मातृ-शिशु परंपरा को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

बकाया अदा नहीं करने पर 8 व्यवसायिक परिसरों को किया सीलबंद

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं नगर निगम जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र ठाकुर, खगेंद्र सोनी, राम कुमार औसर की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र अंतर्गत 8 बडे बकायादारों द्वारा विगत कई वर्षों से डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के बाद भी राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं किया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950